



खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ।



मोटी-मोटी

बातें

CM सुक्खू का रोहड़ु-रामपुर दौरा, गांवों में पहुंचकर सुनेंगे लोगों की समस्याएं; सड़क-पानी और रोपवे की मांगें उठेंगी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का रोहड़ु और रामपुर विधानसभा क्षेत्रों का प्रस्तावित दौरा ग्रामीणों के लिए अपनी समस्याएं सीधे सरकार के सामने रखने का अवसर होगा। मुख्यमंत्री के प्रवास के दौरान विकास कार्यों के उद्घाटन और



मुख्यमंत्री के रोहड़ू पहुंचने पर विद्यार्थियों के साथ संवाद और नशे के खिलाफ अभियान से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। इसके बाद चिड़गांव में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री यहां जनसभा की भी संबोधित करेंगे।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री स्थानीय लोगों और योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत करेंगे। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम स्थलों पर यातायात, सुरक्षा, पेयजल, बिजली और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां की जा रही हैं।

‘सरकार गांव के द्वार’ कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद करते हैं। रामपुर क्षेत्र के काशापाट में रात्रि प्रवास भी प्रस्तावित रहा है, जहां ग्रामीणों, महिला मंडलों और युवक मंडलों के साथ बातचीत के जरिए स्थानीय समस्याओं और विकास संबंधी मांगों पर चर्चा होनी है।

एशियाई खेलों में तीरंदाजों ने मचाया धमाल, भारत ने एक ही दिन में जीते तीन स्वर्ण पदक

आइच्ची-नागोया। भारतीय तीरंदाजों की महिला, पुरुष और मिश्रित टीमों ने बुधवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीते। आज यहां भारत के साहिल जाधव, गणेश मणि रलम तिरुमुह और कुशल दलाल ने पुरुषों की कंपाउंड टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। यह आज तीरंदाजी टीम स्पर्धा में भारत को तीसरा स्वर्ण पदक मिला है। भारत ने 238 स्कोर कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं चीन 237 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

इससे पहले भारत ने कंपाउंड पुरुष टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 236-229 से हराकर चीन के खिलाफ स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाई थी। भारतीय पुरुष टीम ने संयम के साथ आखिरी स्ट्रेज तक सात अंकों की कपाउंड टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। यह फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। भारतीय टीम ने शूट-आफ में अपना संयम बनाए रखा। कोरियाई टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

चिकित्ता का इन खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक और साहिल का पहला स्वर्ण पदक है। इस जीत के साथ, भारत ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक में कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा के लिए कोटा भी हासिल कर लिया है।

EC के खिलाफ सड़क पर उत्तरेगा विपक्ष, 6 अक्टूबर को आयोग के दफ्तर तक मार्च का ऐलान; खड़गे बोले- राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगेंगे

नई दिल्ली: ‘इंडिया’ गठबंधन ने चुनाव प्रणाली से जुड़ी कथित अनियमितताओं के खिलाफ बुधवार को एक साझा कार्ययोजना के तहत देशभर में आंदोलन और सभाएं आयोजित करने का निर्णय किया तथा इस बात पर ज़ोर दिया कि ‘इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन’ (ईवीएम) की जगह मतपत्र के जरिए चुनाव कराए जाएं। गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सभी नेताओं ने मिलकर लड़ाई लड़ने की बात की है।

उन्होंने निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह निर्वाचन आयोग का ‘कठपुतली’ की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। खड़गे ने विपक्ष की साझा कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक जिला स्तर पर ‘लोकतंत्र बचाओ मार्च’ निकाला जाएगा। इसके अलावा छह अक्टूबर को विपक्षी दलों के सभी सांसद निर्वाचन आयोग तक मार्च निकालेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगा जाएगा और आयोग के समक्ष विपक्षी दल अपनी चिंताओं से अवगत कराएंगे।

अमित शाह का पंजाब दौरा: जालंधर में बोले गृह मंत्री- पंजाब को नशामुक्त करना BJP का संकल्प

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को जालंधर में भाजपा की ‘नशा मुक्त पंजाब’ रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब को नशामुक्त करना भाजपा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि 31 दिसंबर 2029 से पहले पंजाब को चिट्ठे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने देश को 2029 तक नशामुक्त बनाने के लिए रोडमैप तैयार करने की बात कही है।

अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत ‘सत श्री अकाल’ से की। उन्होंने कहा कि नशामुक्त पंजाब के संकल्प के लिए जालंधर की धरती पर आना उनके लिए सीमांधी की बात है। शाह ने कहा कि पंजाब की पहचान देश के लिए अन्न उत्पादन और सुरक्षा में योगदान देने वाले राज्य के रूप में है। जब देश को अन्न की जरूरत पड़ी तो पंजाब के किसानों ने अपने खेतों से देश के गोदाम भर दिया। वहीं, देश की सुरक्षा की बात आई तो पंजाब के जवानों ने राष्ट्र के लिए बलिदान दिया। उन्होंने पंजाब की माताओं को भी नमन किया। गृह मंत्री ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पंजाब में चिट्ठे के कारोबार को खुलेआम चलने दिया गया।

संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ।

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत, व्यापार-रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों समेत विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इसे और मजबूत करने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। बातचीत के दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जारी प्रयासों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे ‘सार्थक बातचीत’ बताया। उन्होंने कहा, “राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और अन्य क्षेत्रों में अपने



द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। हमने अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।”

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचार साझा किए, जिसमें वैश्विक शांति और सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए जारी प्रयास शामिल हैं।

अमृतसर में नशीले पदार्थ और हथियारों की तस्करी करने वाले नेटवर्क से जुड़े पांच द्यवित 13 पिस्तौल और 3.267 किलोग्राम हेरोइन समेत काबू



चंडीगढ़/अमृतसर – मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाया जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पांच व्यक्तियों को 13 पिस्तौल और 3.267 किलोग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार कर नशा तस्करी तथा अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले तीन नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान क्रिश गोल्ड (20) निवासी लोहगढ़, अमृतसर; कुणाल मेहता उर्फ कन्नू (21) निवासी कटड़ा दुल्लो, अमृतसर; रॉबिन (21)

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, 12 हजार वनडे रन पूरे; सचिन-विराट के खास क्लब में एंट्री

गुवाहाटी – भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आज अपने शानदार वनडे करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। 39 वर्षीय रोहित ने वनडे क्रिकेट में 12,000 रन पूरे कर लिए हैं। वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले भारत के सिर्फ तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली यह कारनामा कर चुके हैं। रोहित ने यह मुकाम अपनी पारी के 73वें रन के साथ हासिल किया। उन्होंने 16वें ओवर में रोस्टन चेज की गेद पर सिंगल लेकर 12 हजार वनडे रन पूरे किए।

282 पारियों में हासिल किया मुकाम
रोहित शर्मा ने 12,000 वनडे रन का आंकड़ा 282 पारियों में छुआ और इस मामले में वह दुनिया के दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज हैं। उनसे आगे विराट कोहली हैं, जिन्होंने 242 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। सचिन तेंदुलकर ने 300 पारियों में 12 हजार वनडे रन पूरे किए थे। इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पॉटिंग 314 पारियों और श्रीलंका के कुमार संगकारा 336 पारियों के साथ शामिल हैं।

हिमाचल में मानसून से 3000 करोड़ से ज्यादा का नुकसान

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। राजस्व एवं बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक 3000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। मानसून के अंतिम चरण में हुई भारी बारिश से लाहौल-स्पीति, किन्नौर सहित कई क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। केंद्र सरकार की टीमों भी आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का आकलन कर रही हैं।

नेगी ने बताया कि केंद्र की टीमें धर्मशाला, मनाली सहित विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में जाकर नुकसान का जायजा ले रही हैं। राज्य सरकार की ओर से भी नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की टीमों की रिपोर्ट के आधार पर आगे रहत और पुनर्वास से संबंधित प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

सेब उत्पादन में भारी गिरावट
बागवानी मंत्री ने कहा कि मौसम की मार

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ।

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत, व्यापार-रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा

विमर्श किया और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जारी प्रयासों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई। इस बीच, आईएनएस ने इससे पहले अपनी रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत-अमेरिका संबंधों के विस्तार के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप का संकेत दिया है। वाशिंगटन अगले साल की शुरुआत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा की दिशा में काम कर रहा है और नई दिल्ली को अपने सबसे करीबी रणनीतिक साझेदारों में से एक मानता है। जून में व्हाइट हाउस में आईएनएस को दिए अलग-अलग विशेष साक्षात्कारों में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत गहरा करने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

पीएमओ ने कहा कि नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार-

उद्योगों को प्रोत्साहन, युवाओं को रोजगार और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणाओं और संकल्प पत्र में किए गए वादों को धरातल पर उतारने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए तीन नई नीतियों से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में निवेश करने वाले उद्यमियों को पारदर्शी, समयबद्ध और पेशानी-मुक्त व्यवस्था उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि निवेश के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित हों।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को चंडीगढ़ में स्टैंडिंग फाइनंस कमिटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास, एम एस एम ई क्षेत्र, कृषि-आधारित उद्योग तथा फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा एग्री-बिजनेस एंड फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी-2026, हरियाणा प्रोग्रेसिव एम.एस.एम.ई एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 तथा मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026 से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं एवं वित्तीय प्रावधानों पर चर्चा की गई।

नवीन में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री

हरियाणा की पेपरलेस प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन का बड़ा असर हुआ: डॉ. सुमिता मिश्रा

6.5 लाख रजिस्ट्रियां, पांच दिन में मंजूरी और स्टाप ड्यूटी राजस्व में 9-10 प्रतिशत की वृद्धि हुई

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को पेपरलेस करने के सरकार के फैसले का बड़ा असर नजर आ रहा है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के डिजिटल होने, 140 प्रकार की डीड के लिए एसओपी तैयार करने तथा बिचौलियों की भूमिका समाप्त होने से संपत्ति पंजीकरण के क्षेत्र में नई व्यवस्था कायम हुई है। इन व्यापक सुधारों के चलते राज्य का स्टाप ड्यूटी राजस्व हर वर्ष लगभग 9 से 10 प्रतिशत बढ़ेगा।

हरियाणा की राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तयुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने



बताया कि ये सुधार इस बात का प्रमाण हैं कि अधिक सरल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को मजबूत राजस्व वृद्धि के साथ जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कर छूट और प्रोत्साहनों की पूरी व्यवस्था की नए सिरे से समीक्षा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि ऐसी रियायतें स्पष्ट नीतिगत उद्देश्यों से जुड़ी होनी चाहिए, इनसे वास्तविक आर्थिक लाभ मिलना चाहिए और अंततः समय के साथ कर राजस्व में वृद्धि होनी चाहिए।

डॉ. सुमिता मिश्रा आज चंडीगढ़ में हरियाणा के अपने कर राजस्व को मजबूत

करने व विकसित हरियाणा 2047 के लिए कर संरचना और विश्लेषण-संचालित कर प्रशासन में सुधार विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने हरियाणा में संपत्ति पंजीकरण व्यवस्था में किए गए व्यापक बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य उस पुरानी व्यवस्था से आगे निकल चुका है, जिसमें नागरिकों को बार-बार तहसीलों के चक्कर लगाने पड़ते थे और स्टांप वेडेंडों, डीड राइटर्स, वकीलों तथा अन्य बिचौलियों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने कहा, कि हमने इन सभी प्रक्रियाओं को सरल बना दिया है।

लिए कानूनों में बदलाव किए हैं।
SIR प्रक्रिया पर स्वावल उठाते हुए नेगी ने आरोप लगाया कि इसके माध्यम से करोड़ों लोगों के मताधिकार को प्रभावित किया गया है। उन्होंने कहा कि वोट देना लोगों का सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अधिकार है और इसे प्रभावित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी मामला लंबित है।

किन्नौर कांग्रेस विवाद पर भी बोले नेगी

किन्नौर कांग्रेस में चल रहे विवाद और कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल के अनुरासन संबंधी बयान पर नेगी ने कहा कि पार्टी का अनुशासन सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक सच्चे कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में अपनी बात पार्टी फोरम में रखी है और संबंधित नेताओं के समक्ष भी अपनी बात रखी है।

चालू वित्त वर्ष 2027 के 5 महीनों में 7.10 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा भारत का राजकोषीय घाटा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा (फिसकल डिफिसिट) 7.10 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वित्त वर्ष के लिए निर्धारित बजट अनुमान (बीई) का 41.9 प्रतिशत है। वित्त मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, यह स्तर पिछले वर्ष की समान अवधि में वार्षिक लक्ष्य के 38.1 प्रतिशत के मुकाबले अधिक है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 16.96 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा निर्धारित किया है। केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत पर रखा था। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान केंद्र सरकार को कुल 13,67,709 करोड़ रुपए की प्रग्नितियां हुईं, जो पूरे वर्ष के बजट अनुमान का 37.5 प्रतिशत है। इसमें 8,37,921 करोड़ रुपए का शुद्ध कर राजस्व, 4,54,549 करोड़ रुपए का गैर-कर राजस्व और 75,239 करोड़ रुपए की गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियां शामिल हैं।

इसी अवधि में केंद्र सरकार ने

राज्यों को करों में उनके हिस्से के रूप में 5,90,391 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए। हालांकि यह राशि पिछले वर्ष की तुलना में 60,243 करोड़ रुपए कम रही। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि व्यय के मोर्चे पर, अप्रैल-अगस्त के दौरान केंद्र सरकार का कुल खर्च 20,77,958 करोड़ रुपए रहा, जो पूरे वर्ष के बजट अनुमान का 38.9 प्रतिशत है। इसमें 15,68,009 करोड़ रुपए राजस्व व्यय और 5,09,949 करोड़ रुपए पूंजीगत व्यय के रूप में खर्च किए गए।

राजस्व व्यय में सबसे बड़ा हिस्सा ब्याज भुगतान का रहा, जिस पर 5,14,810 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसके अलावा प्रमुख सक्स्डिडियों पर 1,87,037 करोड़ रुपए खर्च किए गए।

सरकारी आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि शुद्ध कर राजस्व पूरे वर्ष के अनुमान का 29.2 प्रतिशत हासिल कर चुका है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 28.6 प्रतिशत था। इससे कर संग्रह में सुधार के संकेत मिलते हैं।

वहीं गैर-कर राजस्व वार्षिक लक्ष्य के 68.2 प्रतिशत तक पहुंचा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 75.5 प्रतिशत से कम है।



2026 के तहत 18 प्रोत्साहन योजनाओं को मंजूरी

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री सी.जी. रजनीकांत उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गंग पर सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी निवेशक को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। पात्रता प्रमाण-पत्र जारी करने से पहले संबंधित निवेश, रोजगार, दस्तावेजों और परियोजना की पात्रता का पूर्ण सत्यान किया जाए तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र निवेशकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवाएं और प्रोत्साहन उपलब्ध करवाना संबंधित विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी-

सोमालिया में समुद्री लुटेरों का कहर, हाईजैक टैंकर पर 5 की हत्या; भारतीय नाविक भी शामिल

दुबई – सोमालिया में समुद्री लुटेरों ने कब्जे में लिए गए एक ईथन टैंकर पर सवार चालक दल के पांच सदस्यों की हत्या कर दी, जिनमें एक भारतीय नाविक भी शामिल है। केन्या स्थित भारतीय उच्चायोग ने आज सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह ‘एमटी ऑनर’ पर सवार चालक दल के भारतीय सदस्य की ‘त्रासदपूर्ण मौत से बेहद दुखी’ हैं। भारतीय व्यक्ति की ‘क्षित तौर पर समुद्री डाकूओं के हाथों उस समय हत्या कर दी गई, जब पेंटलैंड समुद्री पुलिस बल द्वारा समुद्री डकैती रोधी अभियान चलाया जा रहा था।

पेंटलैंड सोमालिया का एक अर्ध-स्वायत्त राज्य है। उच्चायोग ने कहा कि वह मुक्त भारतीय नाविक के परिवार के संपर्क में हैं। आयोग उसके पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस भेजने की व्यवस्था करने समेत हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। उच्चायोग ने कहा कि टैंकर पर सवार अन्य सभी भारतीय नाविकों के सुक्षित होने की सूचना है। इनमें सभी सिबू-1 और एमटी यूरका पर सवार नाविक भी शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में बचाया गया है।’

ट्रंप ने दुकराया था ईरान का प्रस्ताव, अब अमेरिका ने भेजा आधिकारिक जवाब

दुबई – ईरान के अधिकारियों ने आज संकेत दिया कि उन्हें सात महीने से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए तेहरान के हालिया प्रस्ताव पर अमेरिका का आधिकारिक जवाब मिल गया है। ईरानी अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि जवाब में क्या है और उसे स्वीकार किया गया है या अस्वीकार। वैसे इस प्रस्ताव को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही सार्वजनिक रूप से खारिज कर दिया था।

सरकारी प्रवक्ता फतेमेह मोहजेयनी ने सरकारी समाचार एजेंसी ‘ईरना’ को बताया कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मंत्रिमंडल की बैठक में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के सामने अमेरिका का जवाब पेश किया। पेजेशकियन ने कहा कि हम समझौते को सफल बनाने की पूरी कोशिश करेंगे और ईरानी लोगों के अधिकारों के लिए मजबूती से खड़े रहेंगे। अब यह समझौता परस्पर फायदे वाली रणनीति पर आधारित होना चाहिए। यह मंत्रिमंडल बैठक पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के सिलसिले में हुई न्यूयॉर्क यात्रा के बाद अराघची की ईरान वापसी के बाद हो रही है।

वहां ईरानी अधिकारियों ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत की और दुनिया भर के नेताओं की इस सालाना बैठक से इतर कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के साथ भी बैठक की। अराघची ने मंत्रिमंडल को न्यूयॉर्क की अपनी यात्रा और वहां हुई बैठकों के बारे में जानकारी दी, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान की शर्तें भी शामिल थीं।

आवारा कुत्तों-बंदरों के आतंक पर नगर निगम सदन में हंगामा

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। शिमला शहर में आवारा कुत्तों और बंदरों के बढ़ते आतंक का मुद्दा मंगलवार को नगर निगम के मासिक सदन में जोरदार तरीके से उठा। मेयर सुरेंद्र चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्श्वदों ने शहर में लगातार बढ़ रहे डोंग और मंकी अटैक पर चिंता जताते हुए नगर निगम से प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

पार्श्वदों ने कहा कि आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या कई बाड़ों में गंभीर रूप ले चुकी है। लोगों, विशेषकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए कई क्षेत्रों में अकेले घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। पार्श्वदों ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने की मांग की।

3 अक्टूबर से एंटी रेबीज अभियान

नगर निगम ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए शहर में एंटी रेबीज वैकसीनेशन अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान 3 से 13 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 15 अक्टूबर से आवारा कुत्तों की स्टेरलाइजेशन ड्राइव शुरू की जाएगी। सदन में पालतू कुत्तों की पुर्जीकरण का मुद्दा भी उठा। पार्श्वदों ने शहर में पालतू कुत्ता का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने पर जोर दिया, ताकि पालतू और आवारा कुत्तों से संबंधित व्यवस्था को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सके।

मेयर सुरेंद्र चौहान ने कहा कि नगर निगम की ओर से आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान के लिए वैकसीनेशन और स्टेरलाइजेशन अभियान चलाए जा रहे हैं।

3-4 अक्टूबर को हमीरपुर प्रवास पर रहेंगे

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल आगामी 3 और 4 अक्टूबर 2026 को जिला हमीरपुर के प्रवास पर रहेंगे। अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान वह पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

प्रवास कार्यक्रम के अनुसार डॉ. राजीव बिंदल भाजपा कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग में भाग लेंगे। प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक कार्यों एवं विभिन्न विषयों पर संवाद किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश पदाधिकारी बैठक में भी भाग लेंगे। बैठक में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का यह प्रवास 3 अक्टूबर से 4 अक्टूबर 2026 तक जिला हमीरपुर में रहेगा। इस दौरान कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग एवं प्रदेश पदाधिकारी बैठक उनके प्रमुख कार्यक्रम रहेंगे।

1 अक्टूबर को छावनी बोर्ड जतोग में आयोजित होगा ‘स्वच्छता ही सेवा 2026’ अभियान, सांसद सुरेश कुमार कश्यप रहेंगे उपस्थित

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। छावनी बोर्ड जतोग द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को ‘स्वच्छता ही सेवा 2026’ अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में शिमला संसदीय क्षेत्र के सांसद सुरेश कुमार कश्यप की गरिमाययी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का आयोजन छावनी बोर्ड जतोग के नामित सदस्य तरुणजीत सिंह के सौजन्य से किया जा रहा है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः 8:50 बजे छावनी बोर्ड कार्यालय जतोग में सांसद सुरेश कुमार कश्यप के आगमन एवं स्वागत के साथ होगी। इसके उपरांत प्रातः 9 बजे सांसद छावनी बोर्ड कार्यालय से तीन स्वच्छता टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

प्रातः 9:05 बजे स्वच्छता अभियान के लिए सीटू-धोंडा की ओर प्रस्थान किया जाएगा तथा 9:15 से 10 बजे तक सीटू-धोंडा में श्रमदान किया जाएगा। इस दौरान स्वच्छता को लेकर जनभागीदारी का संदेश दिया जाएगा। इसके बाद प्रातः 10:30 बजे जतोग बस स्टैंड ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित होगा। 10:45 से 11 बजे तक सांसद सुरेश कुमार कश्यप उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे। इसके पश्चात 11 से 11:20 बजे तक विद्यार्थियों एवं स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा।

ओसलो पहुँचे विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां 69वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के बाद इन दिनों स्कैंडिनेवियाई देशों के अध्ययन प्रवास पर हैं। बर्गेन में एक दिन के प्रवास के बाद पठानियां बुधवार को जलमार्ग से फ्योर्ड क्रूज के माध्यम से नॉर्वे की राजधानी ओसलो पहुंचे। ओसलो में उनका रात्रि विश्राम का कार्यक्रम है।

बर्गेन प्रवास के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने शहर के विभिन्न ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने बर्गेन को पर्यटन की दृष्टि से विकसित और आकर्षक शहर बताते हुए कहा कि पहाड़ों और समुद्र से घिरे इस शहर की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है। उन्होंने कहा कि नॉर्वे ने पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय सुविधाओं और जीवनशैली के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय विकास किया है। पठानियां ने बताया कि बर्गेन नॉर्वे के पश्चिमी तट पर स्थित ऐतिहासिक शहर है और इसे देश के प्रसिद्ध फ्योर्ड क्षेत्र का प्रवेश द्वार भी माना जाता है। वहीं, ओसलो नॉर्वे की राजधानी होने के साथ प्रशासन, व्यापार, शिक्षा और आधुनिक संस्कृति का प्रमुख केंद्र है।

बर्गेन प्रवास के दौरान पठानियां ने भारतीय समुदाय से जुड़े व्यापारियों, उद्यमियों और शिक्षाविदों से भी मुलाकात की। इस दौरान पर्यटन, सामाजिक एवं राजनैतिक विषयों के साथ-साथ स्थानीय लोगों और भारतीय समुदाय के बीच संबंधों को लेकर चर्चा हुई।

डीसी किरण भड़ाना ने दारचा से जेके टायर रैली ऑफ हिमालयाज-2026 के तीसरे चरण को दिखाई हरी झंडी

केलांग। हिमालय की दुर्गम व रोमांचकारी वादियों में साहस, रोमांच और मोटरस्पोर्ट का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। जेके टायर रैली ऑफ हिमालयाज-2026 के तीसरे चरण को आज दारचा से उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हिमालयन एक्सट्रीम मोटरस्पोर्ट्स और एडवेंचर एक्स फ्यूजन ट्राइब के संयुक्त आयोजन में हो रही यह रैली इस वर्ष अपने छठे संस्करण में प्रवेश कर चुकी है। मनाली से शुरू हुई इस प्रतिष्ठित जॉकर्स-कंट्री रैली का दारचा चरण प्रतिभागियों के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने 66 मेगावाट क्षमता की धौलासिद्ध परियोजना को अधिग्रहित करने के लिए शपथ पत्र दायर करने के निर्देश दिए

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुखबू ने सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) द्वारा ब्यास नदी पर निर्मित की जा रही 66 मेगावाट क्षमता की धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना को प्रदेश सरकार के अधीन लेने के लिए बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा विभाग को न्यायालय में शपथ पत्र दायर करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री आज यहां बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश हित में धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना की लागत की पहली किस्त का भुगतान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश के लोगों के हितों से कोई समझौता नहीं करेगी तथा प्रदेश की संपदा और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एसजेवीएनएल से लुहरी और सुन्नी जल विद्युत परियोजनाओं को भी अपने अधीन लेने के लिए गंभीर प्रयास कर



रही है।

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन विभिन्न जल विद्युत परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को इन परियोजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि प्रदेश के लोगों को इनका अधिकतम लाभ मिल सके।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि 450 मेगावाट क्षमता की शोंगटोंग जल विद्युत परियोजना अगले वर्ष सितंबर तक तीन टरबाइनों की कमीशनिंग के उपरांत पूरी तरह कार्यशील हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से उत्पादित होने वाली बिजली के लिए

हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड (एचपीएसईबीएल) के साथ विद्युत खरीद समझौता (पीपीए) किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पूह से समदो तथा समदो से काजा तक निर्मित की जा रही 66 केवी ट्रांसमिशन लाइन के कार्य की भी समीक्षा की और इसके निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने रंगरिक में 2 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, जिसमें 1 मेगावाट हॉवर (एमडब्ल्यूएच) बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली स्थापित की गई है, की प्रगति की भी समीक्षा की तथा इसे बर्फबारी शुरू होने से पहले कार्यशील बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा

कि बर्फबारी के मौसम में भी यह परियोजना सुचारू रूप से कार्यशील रहनी चाहिए ताकि क्षेत्र के लोगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के अध्यक्ष प्रबोध सक्सेना, अतिरिक्त मुख्य सचिव (विद्युत) आर.डी. नजीम, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, एचपीएसईबीएल के प्रबंध निदेशक आदित्य नेगी, हिमाचल प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक आबिद हुसैन सादिक, निदेशक ऊर्जा शुभ करण सिंह और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुखबू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ज़रूरतमंद परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध: मलेंद्र राजन

हिन्द जनपथ

इंदौरा(ब्यूरो)। वन विश्राम गृह इंदौरा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विधायक मलेंद्र राजन ने ज़रूरतमंद परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गत लगभग 21 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने ‘बेटी है अनमोल योजना’ के तहत क्षेत्र के 25 परिवारों की बेटियों के नाम 21-21 हजार रुपये की एकड़ो भी प्रदान की।

विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुखबू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के कमजोर, ज़रूरतमंद और आर्थिक रूप से प्रभावित परिवारों को राहत एवं सहायता उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि कठिन परिस्थितियों से गुजर रहे परिवारों को समय पर आर्थिक सहायता मिले और उन्हें किसी प्रकार की पेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से गंभीर बीमारी, दुर्घटना तथा अन्य विषम परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने का



महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का उद्देश्य पात्र परिवारों तक सीधा लाभ पहुंचाना है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल सकें।

गांव स्तर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान की पहल

हिन्द जनपथ

धर्मशाला: राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित ‘सामुदायिक मध्यस्थता—विवाद मुक्त ग्रामीण भारत की ओर’ परियोजना के द्वितीय चरण के तहत जिला कांगड़ा विधिक सेवा प्राधिकरण ने स्थानीय स्तर पर विवादों के शीघ्र, सरल एवं आपसी सहमति से समाधान की दिशा में पहल की है।

परियोजना के अंतर्गत जिला कांगड़ा की पांच ग्राम पंचायतों को चिन्हित किया गया है। इनमें धर्मशाला की सुकूद, नूरपुर की सुलियाली, देहरा की सुनेहत, जयसिंहपुर तथा इंदौरा की सुदरगं ग्राम पंचायतें शामिल हैं। इन पंचायतों में सामुदायिक मध्यस्थों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है और अब ग्रामीण अपने आपसी विवादों को मध्यस्थता के माध्यम से समाधान के लिए रेफर कर सकते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कांगड़ा के सचिव आर. मिहुल शर्मा ने पुलिस, राजस्व एवं विकास विभाग के अधिकारियों तथा क्षेत्रीय कर्मचारियों से आग्रह किया है कि वे अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित ऐसे मामलों की पहचान करें, जिनका समाधान आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से संभव है। उन्होंने संबंधित पक्षों को मध्यस्थता के माध्यम से विवाद सुलझाने के लिए प्रेरित करने का भी आग्रह किया।

शिमला का छिपा संकट: बढ़ता पर्यटन और कचरे का बोझ

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मई की एक दोपहर शाम के करीब चार बजे माल रोड पर कदम रखने की जगह मुश्किल से मिलती है। पर्यटकों की भीड़, होटलों और टेक्सटायल की आवाजों के बीच शहर लगातार चलता रहता है, लेकिन इसके पीछे छोड़ा गया कचरा शिमला की एक ऐसी समस्या की ओर इशारा करता है, जिस पर अपेक्षित गंभीरता से चर्चा नहीं हो रही है। कोनों, सड़कों के किनारे और ढलानों पर जमा कचरा अंततः शहर के सामने ही चुनौती बनकर रह जाता है।

औपनिवेशिक दौर में शिमला की योजना करीब 25 हजार की आबादी को ध्यान में रखकर बनाई गई थी, लेकिन गर्मियों के पर्यटन सीजन में शहर पर इसका कई गुना अधिक भार पड़ता है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या जहां स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देती है, वहीं कचरा प्रबंधन, यातायात, पानी और अन्य नागरिक सुविधाओं पर अतिरिक्त दबाव भी डालती है।

एक हालिया रियोट के मुताबिक शिमला में प्रतिदिन करीब 108 टन कचरा निकलता है। इसमें लगभग 59 टन गिला और 43 टन सूखा कचरा बताया गया है। शहर में अभी तक इंजीनियर्ड सैनिटरी लैंडफिल की सुविधा नहीं है। वहीं सामग्री के पुनर्चक्रण और सूखे कचरे के प्रबंधन में रेगुलिकर्स तथा अनौपचारिक कचरा संग्रहकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन उनके योगदान को अक्सर अपेक्षित पहचान और पारिश्रमिक नहीं मिल पाता।

सफाई व्यवस्था पर कर्मचारियों की निरभरता
मई में सफाई व्यवस्था को लेकर सामने आया विवाद भी शहर की व्यवस्था की कमजोरी कड़ियों को उजागर कर गया। एसईचबी सोसायटी के 900 से अधिक स्वच्छता कर्मचारियों ने 15 मई से वार्षिक वेतन वृद्धि कायास लिए जाने के विरोध में हड़ताल की। हड़ताल के चरम पर घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था प्रभावित हुई और शहर में जगह-जगह कचरा जमा होने लगा।

इसके बाद नगर निगम ने कचरा संग्रहण का काम आउटसोर्स करने के लिए टेंडर आमंत्रित किए। इससे यह सवाल भी उठता है कि क्या शहर की सफाई व्यवस्था को उकेदारों के भरोसे चलाना दीर्घकालिक समाधान है या फिर इसके लिए स्थायी और मजबूत कार्यबल की जरूरत है।

पर्यटकों से कचरा प्रबंधन का खर्च क्यों नहीं?

शिमला में कचरा संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पर्यटन सीजन में शहर में बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटक कचरे

की मात्रा बढ़ाते हैं, लेकिन इसके निपटारे के लिए सीधे तौर पर कोई योगदान नहीं करते। नगर निगम कई बार पर्यटकों पर ग्रीन टैक्स लगाने का प्रस्ताव सरकार को भेज चुका है, लेकिन राज्य सरकार की मंजूरी अभी लंबित है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 भी 1 अप्रैल से प्रभावी हो चुके हैं। इन नियमों के तहत स्थानीय निकायों को अधिक फुटफॉल वाले पर्यटन स्थलों पर कचरा शुल्क लगाने का अधिकार दिया गया है। हालांकि, हिमाचल में इस व्यवस्था को कब और किस दर से लागू किया जाएगा, इसे लेकर अभी स्पष्टता का इंतज़ार है।

पर्यटक वाहनों के कचरे के लिए बनेगा संग्रहण केंद्र

नगर निगम ने पर्यटक वाहनों से निकलने वाले कचरे को सड़कों और खुले स्थानों पर फेंके जाने से रोकने के लिए ट्युंकींडी में कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा है। यह कदम समस्या

को कुछ हद तक नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार शिमला जैसे तेजी से बढ़ते पर्यटन शहर के लिए केवल ऐसे तात्कालिक उपाय पर्याप्त नहीं होंगे।

पर्यावरणविद् प्रदीप सांगवान का कहना है कि हिमाचल और अन्य हिमालयी पर्यटन स्थलों के लिए ऐसी नीतियों की जरूरत है, जो पर्यटकों की संख्या के बजाय पर्यटक फुटफॉल और उससे पैदा होने वाले दबाव को आधार बनाएं। शिमला को पर्यटकों की संख्या कम करने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना

की जरूरत है कि पर्यटन से पैदा होने वाले बोझ का उचित प्रबंधन हो।

इसके लिए पर्याप्त फंडिंग, सफाई कर्मचारियों के लिए बेहतर व्यवस्था और काम करने की उचित परिस्थितियों के साथ-साथ ऐसी लैंडफिल व्यवस्था जरूरी है, जिससे जंगलों और पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। शिमला की खूबसूरती और पर्यटन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत हैं, लेकिन यदि शहर अपने बढ़ते कचरे का प्रबंधन नहीं कर पाया तो यही पर्यटन भविष्य में उसके लिए चुनौती बन सकता है। इसलिए जरूरत केवल सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की नहीं, बल्कि पर्यटन, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़कर दीर्घकालिक नीति तैयार करने की है।

अनन्या कपूर

पीजीडीएम (एससीएम), गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट

हिमाचल

नरेश चौहान ने जिला स्तरीय अंडर-19 इंडोर खेलकूद प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान ने आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लालपानी, शिमला में 67 वीं जिला स्तरीय वार्षिक अंडर-19 इंडोर खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में शिमला जिला के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 400 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता में बैडमिंटन, बॉक्सिंग, जूडो, कुश्ती, भारोत्तोलन, ताइक्वांडो, योग, टेबल टेनिस, कुश्ती, करांश और कराटे सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसमें शिमला जिला के लगभग 62 विद्यालयों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस अवसर पर नरेश चौहान ने विद्यार्थियों को खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहें और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में केन्द्रित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा खेल गतिविधियों को बढ़ावाने के लिए निरंतर



प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि प्रतिभावान खिलाड़ी आगे बढ़कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें। नरेश चौहान ने इस अवसर पर ऑपरेशन सिंदूर में शामिल रहे वीर चक्र से सम्मानित स्व्वाइन लीडर अर्शवीर सिंह ठाकुर की माता अमरजीत कौर को सम्मानित किया। अमरजीत कौर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला फागली में शारीरिक शिक्षा की प्रवक्ता हैं। उन्होंने अर्शवीर सिंह ठाकुर की वीरता एवं उपलब्धि के लिए उनकी माता को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



स्वास्थ्य जांच के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों और स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। एसजेवीएन की ओर से स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के तहत बुधवार को कारपोरेट मुख्यालय शिमला में ‘सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर’ का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन निदेशक (कार्मिक) अजय कुमार शर्मा ने निदेशक (परियोजनाएं)

राजेश कुमार चंदेल, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज पोरवाल तथा वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया। शिविर के दौरान सफाई मित्रों के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। हिमाचल प्रदेश स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सा टीम ने सफाई मित्रों की रक्त एवं रक्तचाप की जांच की। साथ ही एक्स-रे की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। इस पहल का उद्देश्य सफाई मित्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ उनके स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करना रहा।

इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान में सफाई मित्रों के योगदान को अनुशासन और सकारात्मक दिशा भी प्रदान करते हैं। राठौर ने लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह के नेतृत्व और कार्यक्षमता की सराहना करते हुए कहा कि शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र विकास के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के माध्यम से बजट लाने

को सम्मान देने के लिए सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। हाउसकीपिंग, साफ-सफाई और सहयोगी सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया।

एसजेवीएन ने इस पहल के माध्यम से सफाई मित्रों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, गरिमा और कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। आयोजन के दौरान स्वच्छता कार्यों में योगदान देने वाले कर्मचारियों के महत्व को रेखांकित करते हुए उनके सम्मान और बेहतर स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया।

सुन्नी में 67वीं जिला स्तरीय यू-19 छात्र खेल प्रतियोगिता शुरू



कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हरिकृष्ण हिमराल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कुलदीप सिंह राठौर ने उन्हें नशे और मादक पदार्थों से दूर रहने तथा खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक हैं, बल्कि युवाओं

की दिशा में भी विक्रमादित्य सिंह ने उल्लेखनीय कार्य किया है।

उन्होंने शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का शिक्षा क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थिति में पहुंचा है, जो हिमाचल के लिए गौरव की बात है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरिकृष्ण हिमराल ने कुलदीप सिंह राठौर का प्रतियोगिता में पहुंचने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों से प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया।

पात्र वरिष्ठ नागरिक अपना आयुष्मान कार्ड बनवाना करें सुनिश्चित

सोलन(ब्यूरो)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन डॉ. अजय पाठक ने आयुष्मान वय वंदना योजना के विषय में अवगत करवाया है कि योजना के तहत 70 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पति अथवा पत्नी को योजना में तभी सम्मिलित किया जा सकता है जब उनकी आयु भी 70 वर्ष या उससे अधिक हो। उन्होंने कहा कि योजना के नियमों के अनुसार 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति ही योजना के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष से कम आयु होने पर इस योजना में किसी भी व्यक्ति को सम्मिलित नहीं किया जा सकता।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि 70 वर्ष से अधिक आयु के पति अथवा पत्नी होने पर जीवनसाथी का आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत कार्ड तभी बनेगा जब उनकी आयु भी 70 वर्ष या उससे अधिक हो।

उन्होंने कहा कि कुछ लोक मित्र केन्द्रों द्वारा लाभार्थियों को यह बताया जा रहा है कि 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक का इस योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनने पर वरिष्ठ नागरिक के जीवनसाथी को अतिरिक्त सदस्य के रूप में योजना में सम्मिलित किया जा सकता है, यह गलत जानकारी है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत आयु 70 वर्ष ही निर्धारित की गई है।

**HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI DEPARTMENT**

NOTICE INVITING E-TENDER

Online bids on item rate basis are invited by the Executive Engineer, Jal Shakti Division, Arki on behalf of Governor of Himachal Pradesh, in electronic tendering system in two covers for the under mentioned work from the contractors/firms of (B & C) class enlisted with Himachal Pradesh Jal Shakti Vibhag State/CPWD Irrigation Department, Public Health Department/ PSU/ autonomous body of Center/State Govt. Department.

Sr. No.	Description of work	Estimated cost	Earnest Money	Time	Cost of Bid form	Bid Validity Period
1	Operation Repair and maintenance of LWSS to cover NC_PC habitations of Arki Assembly Constituency from Gambharia Khad for 3 Year by deploying skilled and unskilled manpower Para Workers right from aerationall wells complete in all respects in Tehsil Arki District Solan HP in 2 nd call.	80,52,372.00	1,45,800.00	3 Years	2000.00	120 Days

Bid Submissions:- The bids are to be submitted online which are to be encrypted and digitally signed by the contractor/ firms. The bidders are advised to obtain digital signature certificate (DSC) from the suitable vendors or any authorized agency at the earliest. The e-tender documents shall be uploaded in two covers :-

Cover- 1 shall contain scanned copies of **Technical eligibility Criteria Documents.**

Cover- 2 Shall contain "Financial Bid" on the prescribed form.

Key Dates :-

I	Date of online publication.	01.10.2026 at 04:00 PM.
II	Bid submission Start date and time.	From 01.10.2026 at 04:30 PM.
III	Bid Submission end date and time.	Up to 27.10.2026 at 11:00 AM
IV	Earnest Money and Cost of tender document submitted online only	27.10.2026 at 11:00 AM
V	Date of opening Bid i.e. eligibility criteria & Technical Bid.	27.10.2026 at 11:30 AM
VI	Date of opening of financial bid.	Date and time be notified separately

Last date of filing/uploading the tender through e-tendering 27.10.2026 up-to 11.00 AM and will be **opened on 27.10.2026 at 11.30 AM**. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website www.hptenders.gov.in

**Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Arki.**

R.No. 3804/2026-2027

संपादकीय

एलपीयूमेंविरोधप्रदर्शन हिंसककैसेहुआ? सुरक्षा व्यवस्थापरउठेसवाल

एलपीयू परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा एक छात्रा से बलात्कार किए जाने की खबरों के बाद विद्यार्थियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। पंजाब के फगवाड़ा स्थित लक्ली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) में विद्यार्थियों के विरोध-प्रदर्शन की जिस तरह की तस्वीरें सामने आई हैं, वे निश्चित तौर पर भरोसे के संकट, लापरवाही और सुरक्षा में कोताही की ओर इशारा करती हैं। विरोध के पीछे कारण चाहे जो भी हो, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर प्रदर्शन हिंसक कैसे हो गया? विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस की ओर से मामले की संवेदनशीलता के मद्देनजर विद्यार्थियों को विश्वास में लेने की गंभीरता क्यों नहीं दिखाई गई?ऐसे दावे भी किए जा रहे हैं कि परिसर में की गई तोड़-फोड़ में बाहरी लोगों का हाथ है। हालांकि, सच्चाई गहन जांच-पड़ताल के बाद ही सामने आएगी, लेकिन इस घटना से यह सवाल फिर से उठ खड़ा हुआ है कि हर स्तर पर व्यवस्था का हाल ऐसा क्यों है कि इसमें सुधार के लिए जेन-जी को विरोध प्रदर्शन का रास्ता अपनाना पड़ता है! अगर किसी अग्रिय घटना की आशंका से उपजी नाराजगी को व्यापक विरोध में तब्दील होने दिया जाए, तो क्या इसके लिए जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए?गौरतलब है कि एलपीयू परिसर में किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा एक छात्रा से बलात्कार किए जाने की खबरों के बाद विद्यार्थियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। बीते रविवार को प्रदर्शन हिंसक हो गया और परिसर में तोड़-फोड़ के साथ विद्यार्थियों को पुलिस से झड़पें भी हुईं। इसके बाद विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर करीब पंद्रह घंटे तक यातायात अवरुद्ध रखा। विश्वविद्यालय प्रशासन शुरू से यह कहता रहा कि परिसर में बलात्कार की कोई घटना नहीं हुई है और यह सिर्फ अफवाह है। सच्चाई जांच के बाद ही सामने आ सकेगी, लेकिन यह सवाल महत्वपूर्ण है कि अगर किसी ने विश्वविद्यालय परिसर में अफवाह फैलाई थी, तो उसे हिंसक विरोध प्रदर्शन में तब्दील कैसे होने दिया गया? इस तरह के संवेदनशील मसले पर विश्वविद्यालय प्रबंधन और पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हुई? जाहिर है, अगर प्रभावी संवाद के जरिए विद्यार्थियों को भरोसे में लिया गया होता, तो विरोध की चिंगारी को सुलगने से पहले ही शांत किया जा सकता था।

सजन रे झूठ मत बोलो- जेन-जी से चुनाव आयोग तक दावों और धारणाओं का खेल

(सुधीश पचौरी)

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव यानी ‘डूसू’ हम जीते। ‘जेन-जी’ हमारे साथ..! ‘डूसू’ हम हारे, लेकिन जरा से अंतर से हारे। इस तरह ‘जेन-जी’ हमारे भी साथ..! हर बंदा ‘जेन-जी’ का भजन करने में लगा है, जैसे ‘जेन-जी’ ही उसका उद्धार करेगी। सर जी! ‘जेन-जी’ को इतना सिर न चढ़ाओ कि कल को उठार भी न सको। एक बार फिर पूर्व उपराष्ट्रपति ने एक विवाद खड़ा किया। उन्होंने नेहरू का हवाला देते हुए कहा कि दक्षिणपंथी सांप्रदायिकता ज्यादा खतरनाक है..! प्रतिक्रिया में सत्ता प्रवक्ता पूर्व उपराष्ट्रपति के ऐसे ही कुछ बयानों की लाइन लगाकर उनको ‘हिंदू विरोधी’ सिद्ध करने लग जाते हैं और ‘ध्रुवीकरण’ होने लगता है। बहरहाल, मीडिया में आइआइटी मुंबई के छात्र साहिल की कहानी जारी रहती है। बहुत से छात्र साहिल को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन कर एक प्रोफेसर को हटाने की मांग करने लगते हैं। साहिल के माता-पिता भी आरोप लगाते हैं कि उसे पहले से परेशान किया जा रहा था, लेकिन आइआइटी मुंबई के अलावा अन्य कई प्राध्यापक भी यह कहते हुए प्रोफेसर के पक्ष में आते हैं कि उसने तो अपनी झूठी की। फिर एक दिन कुछ चैनल उस ‘सीसीटीवी फुटेज’ को दिखाने लगते हैं, जिसमें

परीक्षा देता साहिल कथित रूप से अपना मोबाइल देखता हुआ दिखाता है। निरीक्षक उसे पकड़ते हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं करते। जवाब में साहिल के पक्षधर कहते हैं कि वह मोबाइल नहीं था, ‘कैलकुलेटर’ था। सच क्या है, जांच के बाद ही मालूम होगा। कई चर्चकों ने ‘अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम’ पर ‘एक तरफ झुका’ होने का आरोप लगाया।

कुछ का मत रहा कि अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों पर आज भी अत्याचार होते हैं, इसीलिए कानून बना है। इसकी आलोचना गलत है। इसी बीच, एक अंग्रेजी अखबार (द ईंडियन एक्सप्रेस) में छपी चुनाव आयोग संबंधी रिपोर्ट ने चैनलों की बहसों में आग लगा दी। रिपोर्ट कहती रही कि तीन चुनाव आयुक्तों में से दो ने दस महीने में चौदह बार मुख्य चुनाव आयुक्त के कई प्रस्तावों पर आपत्ति की, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने इसे लागू किया। विपक्ष के कुछ बड़े वकील साहब ने कहा कि तीनों चुनाव आयुक्त बराबर का अधिकार रखते हैं, तो भी फैसले सर्वसम्मति से ही होते हैं, लेकिन मुख्य आयुक्त ने इस मामले में भी मनमानी की। विपक्ष के नेता ने इसे पकड़ा और मीडिया को बताया कि वे तो पहले से ही कह रहे हैं कि वोट चोरी हुई है। अब सिद्ध

हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार से मिले हुए हैं। चुनाव आयोग अब स्वतंत्र संस्था नहीं है। पिछले कई चुनाव सत्ता के पक्ष में चोरी किए गए हैं। कई विपक्षी नेता भी बोले कि इस सबके लिए ‘मुख्य चुनाव आयुक्त’ जिम्मेदार हैं। वे इस्तीफा दें। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री भी जिम्मेदारी लें। सर्वसम्मति के दावे और असहमति के सवाल जवाब में चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि आयोग के सदस्यों में मतभेद होते हैं, हो सकते हैं, लेकिन फैसले ‘सर्वसम्मति’ से होते हैं। आलोचक पूछते रहे कि जब सब सर्वसम्मति से फैसले हुए, तब दो सदस्यों ने चौदह बार असहमति क्यों जताई और कैबिनेट सचिव तक को भेजी। सत्ता प्रवक्ताओं ने चुनाव आयोग का बचाव किया कि फैसले बहुमत से हुए हैं। जवाब में विपक्ष के बड़े नेता ने मीडिया को बताया कि हर सरकार को एक वक्त के बाद ‘सत्ता विरोधी लहर’ झेलनी पड़ती है, लेकिन भाजपा की सरकारों के लिए कभी कोई ‘सत्ता विरोधी लहर’ नहीं होती। मुख्य चुनाव आयुक्त सरकार के खिलाफ ‘कोई लहर’ को बनने ही नहीं देते। इसलिए ये गुजरात में तीस साल से जीतते आ रहे हैं और कई राज्यों में भी यही हाल है। फिर सबसे बड़े विपक्षी दल ने एलान किया कि वह देशभर में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग करने जा रहा

है। जब तक वे नहीं हटते निष्पक्ष चुनाव असंभव है। शुक्रवार से ही कई राज्यों में विपक्षी कार्यकर्ताओं ने ‘पुतला फूंक’ प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी जा चुका है। अफसोस कि मुख्य चुनाव आयुक्त आरोपों का सीधा खंडन करने आगे नहीं आए। एक स्पष्टीकरण भेज दिया। इससे विपक्ष के नेता के आरोप और भी यकीन करने योग्य बन जाते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष की बनाई ‘धारणा’ जम के चल रही है। जबकि सत्ता प्रवक्ताओं की ‘धारणा’ भोथरी दिखती है, क्योंकि वे ‘मुख्य चुनाव आयुक्त’ की ‘छाया’ बनकर बोलते हैं, जिनके जवाब ‘हजम’ नहीं होते। ऐसे मामलों में ‘सच’ बड़ा त्रासद होता है। ऐसे में हम दोनों पक्षों से यही कहेंगे कि ‘सजन रे झूठ मत बोलो..!’ पहले जमुई, फिर दिल्ली, फिर समस्तीपुर, फिर बांका। सर्वत्र लड़कियां अपने दोस्त के साथ निकलती हैं। कुछ गुंडे उनसे छेड़छाड़ करते हैं, तो कहीं दोस्त को भागते हैं और लड़की से बलात्कार करते हैं, वीडियो बनाते हैं, प्रचारित करते हैं और पुलिस देखती रह जाती है। वह तो गनीमत है कि मीडिया ने इनको लेकर सरकारों पर दबाव बनाया है, तब जाकर पुलिस सख्ती पर आई है और कुछ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई हुई है। (यह लेखक के अपने विचार है)

विचार/मंथन

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी



मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिना है। लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है। इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नरेश से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतुप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह

के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है। यहां चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है।

आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियां विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए। सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक

भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बढ़ें। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है। इसके साथ ही सरकारों को ‘हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान’ जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक नि:शुल्क या सस्ती हृदय-जांच रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए ‘हेल्दी हार्ट’ कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं। दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियां बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं। विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं। हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

वर्ग पहेली 6229

1	2	3	4	5	6
		7		8	
9	10		11		
12		13			14
16			17		
19	20		21		
		22			
23			24		

संकेत: बाएं से दाएं

- 2002 को इस देश के गोंजालों लोजाडा नए राष्ट्रपति चुने गए (4)
- यह पश्चिमी प्रशांत में ऑर्किडेलोगों है जो 26 द्वीपों और 300 से अधिक आइसलैंड्स से बना है जिसकी राजधानी मेलेकि योक है (3)
- कान, कार्य, कर्म (2)
- समकोटिय, समलत, समकक्ष (3)
- एक प्रकार का चंचल पक्षी जो चितकबरा और काला दो प्रकार का होवा है (3)
- बोझा या सामान उठाकर अपनी आजीविका चलाने वाला (2)
- कोणयुक्त, नाना या अनुपस्थिति (2)
- कला आदि सिखलाने वाला (2)
- मिथ्या संवाद, झूठी खबर (2)
- शतरंजी, बिछाने का मोटा कपड़ा (2)
- भारत की मुख्य भाषाओं में से एक (3)
- धातु या मिट्टी आदि को टोंटीदार लोटा जो पुत्रादि में पयुक्त होता है(3)
- पाशवाक्य, छिटाऊ (4)
- फटे हुए कपड़े या छेद में तागा भस्कर उसे बंद करना (2)
- नृत्य करना (3)
- हिमाचल प्रदेश राज्य की पहाड़ियों का एक महत्वपूर्ण पर्वतीय स्थल है (3)

ऊपर से नीचे

- मीन करना, चुप करना (8)
- दुर्गम, अपभ्रंश, कसर, बिगाड़ (3)
- एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
- पाशवाक्य, गोलकार अस्थियों का पिंजरा (3)
- निष्कृत में बौद्धों का धर्माचार्य, वज्राचार्य (2)
- वृत्त, रोम, मेघ, लोम (2)
- कथन, भाषण (4)
- धुराष्ट्र या दुरोधन को यह भी कहा जाता था (4)
- लापता, पलायित, विलुब्ध (2)
- परिधान, वेश, जामा, ड्रेस (4)
- सही आकार होना, आकार अनुकूल होना (4)
- न्यूछावर करना, उल्लसं करना (3)

व	र	क	ओ	बा	मा	से	ड
ह	ह	क	र	ना	मा	से	ड
शै		ह			ग	ज	र
न	ख	र		गु	म	ना	म
	र		रा	ज	क	म	ल
रा	ज	कु	मा	र		चा	
त			य		फि		आ
ना	रा	य	ण		जी	च	न

तुला

आज मीठी बोली से लाभ और संतुलित सोच रखना होगा। आपकी मीठी बोली और बात करने का तरीका पैसों के मामलों में बहुत फायदा कराएगा। पैसों के लेन–देन और कामकी कामकाज में आसानी होगी। तुरंत के छोटे फायदे के बजाय लंबे समय की स्थिरता पर ध्यान दें। बैठकों, चर्चाओं और टीम के साथ काम करने के लिए दिन बहुत अच्छा है।

धनु

आज खर्चों पर रोक और जिम्मेदारी से बढ़त मिलेगी। पैसों की सही योजना बनाने पर आपका ध्यान ले जाएंगे। जो खर्च फालतू लग रहे हैं, उन्हें बंद करने का विचार आएगा। अपनी अच्छी आदतों से आप आर्थिक स्थिति सुधारेगे। केवल उम्मीद के भरोसे कोई बड़ा जोखिम न लें।

कुंभ

आज घर–परिवार पर ध्यान और समझदारी से कदम उठाना होगा। घर, जमीन या परिवार की जरूरतों पर थोड़ा ध्यान देना पड़ेगा। वृष राशि के चंद्रदेव आपको स्थिरता देंगे, इसलिए पैसों के मामले में कोई नया प्रयोग न करें। जल्दबाजी में कोई चीज न खरीदें।

वृश्चिक

आज साझे के पैसों की जांच और शांत कोशिशें लाभ दिलाएंगी। पैसों, कर्ज, निवेश और दूसरों से जुड़ी जिम्मेदारियों पर आपका ध्यान जाएगा। कहीं भी पैसा लगाने से पहले पूरी बात अच्छे से समझ लें। भावनाओं में बेहकर कोई आर्थिक फैसला न लें।

मकर

आज समझदारी से कदम और काम में साख बनेगी। पैसों को लेकर आपकी समझ और बेहतर होगी। परिवार और अपनी पसंद की चीजों पर खर्च कर सकते हैं, लेकिन अपनी सीमा याद रखें। कहीं भी निवेश करने से पहले पूरी जानकारी जुटाना बहुत जरूरी है। कामकाज में आगे बढ़ने के अच्छे मौके मिलेंगे।

मीन

आज पुराने कामों में सुधार और सही दिशा में ध्यान लगाना होगा। आने वाले कल को लेकर आपकी सोच बिल्कुल साफ होगी। अपनी नींव दृढ़ और खर्चों को दोबारा देख सकते हैं। ग्रह पैसों की पुरानी गलतियों से सीखने की सलाह दे रहे हैं। आज एक साथ कई काम आपके सामने आ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चाय के खर्च में शुरू करें निवेश और कमाएं 25% तक मुनाफा! देखें टॉप 5 फंड्स

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में निवेश के कई सारे विकल्प हैं, जहां लोग पैसे लगाकर एक समय के बाद अच्छी कमाई करते हैं। इस बीच हम यहां बात



म्यूचुअल फंड एसआईपी की कर रहे हैं। एसआईपी जिस हम सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान कहते हैं, यह निवेश का एक ऐसा जरिया है, जहां तय राशि के साथ तय समय पर लगातार निवेश किया जाता है, जिसमें आप खासकर के लंबी अवधि में अच्छा-खासा पैसा बना लेते हैं। हम यहां ऐसे ही पांच इक्विटी म्यूचुअल फंड एसआईपी की बात कर रहे हैं, जिन्होंने लंबी अवधि में 19.8 प्रतिशत से लेकर 24.6 प्रतिशत (करीब 25%) तक का रिटर्न दिया है। इसमें आप हर महीने का निवेश चाय के खर्च में भी शुरू कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, मान लीजिए एक चाय की कीमत कम से कम 10 रुपये है, अगर आप हर रोज भी एक चाय पीते हैं तो एक महीने में करीब 300 रुपये हो जाएंगे। लेकिन, यहां कम से कम 100 रुपये महीने से ही एसआईपी शुरू कर सकते हैं। अब आइए इन पांच फंड्स और इनके रिटर्न के बारे में जानते हैं।
क्वांट श्रक्स्टैक्स सेवर की बात करें तो इसमें आप कम से कम 500 रुपये से एसआईपी की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी अभी की नेट एसेट वैल्यू 117.89 रुपये है। इसने बीते 10 साल में 19.8 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।
यूनियन स्मॉल कैप ने 10 साल में कितना रिटर्न दिया है यूनियन स्मॉल कैप फंड की बात करें तो इसने 10 साल में अपने एसआईपी निवेशकों को 20 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसमें कम से कम आप 1000 रुपये का निवेश कर सकते हैं। इसकी अभी की 66.09 रुपये है।
इन्वेस्टो इंडिया मिड कैप में आप कम से कम 100 रुपये से एसआईपी की शुरुआत कर सकते हैं। इसकी अभी की एनएवी 232.6 रुपये है।

8वें वेतन आयोग से सिविलियन पेंशनर्स क्यों मांग रहे हैं ‘वनरैंक, वन पेंशन’

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें वेतन आयोग के सामने कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों ने अपनी मांगें रखनी शुरू कर दी हैं। इनमें एक प्रमुख मांग वन रैंक, वन पेंशन लागू करने की है। कर्मचारियों संगठनों का कहना है कि एक ही पद या स्तर से अलग-अलग समय पर रिटायर हुए केंद्रीय कर्मचारियों की पेंशन में बड़ा अंतर नहीं होना चाहिए। वन रैंक, वन पेंशन यानी मूल उद्देश्य समान पद और समान सेवा अवधि वाले रिटायर्ड कर्मचारियों के बीच पेंशन की असमानता को कम करना है। मौजूदा व्यवस्था में अलग-अलग वेतन आयोगों के दौरान रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन अलग हो सकती है। इसका कारण यह है कि समय के साथ सैलरी और पेंशन तय करने के नियम बदलते रहे हैं। केंद्र सरकार ने 2015 में सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए लागू किया था, जिसका वित्तीय लाभ 1 जुलाई 2014 से प्रभावी माना गया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजों तथा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए भी अलग पेंशन समानता व्यवस्था मौजूद है। अब कर्मचारी संगठन चाहते हैं कि इसी तरह की व्यवस्था केंद्र सरकार के लेवल 1 से 18 तक के नागरिक कर्मचारियों के लिए भी लागू की जाए।
के सी. श्रीकुमार के अनुसार, पुराने वेतन आयोगों ने भी पुराने और नए पेंशनर्स के बीच पेंशन के अंतर को कम करने की जरूरत पर चर्चा की थी। 15वें वेतन आयोग ने 1986 से पहले रिटायर हुए कर्मचारियों की पेंशन को 1 जनवरी 1986 के आधार पर वेतन तय करके अपडेट करने का सुझाव दिया था। इसके लिए सेवारत कर्मचारियों पर लागू वेतन निर्धारण के फॉर्मूले को आधार बनाने की बात कही गई थी। आयोग ने यह भी सुझाव दिया था कि संबंधित पद के संशोधित वेतनमान के न्यूनतम वेतन का 50 फीसदी से कम पेंशन नहीं होनी चाहिए।

यूट्यूब से कमाई का बढ़ा ट्रेंड, जीडीपी में 18000 करोड़ रुपये का योगदान, 9.6 लाख को मिला रोजगार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में यूट्यूब का क्रिएटर इकोसिस्टम तेजी से बड़ा आर्थिक क्षेत्र बनता जा रहा है। यूट्यूब की 2025 इम्पैक्ट रिपोर्ट के मुताबिक, प्लेटफॉर्म के क्रिएटिव इकोसिस्टम ने साल 2025 में भारत की जीडीपी में 18000 करोड़ रुपये से ज्यादा का योगदान दिया। इसके साथ ही इस इकोसिस्टम ने 9.6 लाख से ज्यादा फुल-टाइम नौकरियों के बराबर रोजगार को सपोर्ट किया। यह रिपोर्ट ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की रिसर्च पर आधारित है। रिपोर्ट के मुताबिक इकोसिस्टम से सिर्फ कंटेंट क्रिएटर्स को ही फायदा नहीं मिल रहा, बल्कि सिनेमैटोग्राफर, साउंड इंजीनियर, स्क्रिप्ट राइटर और प्रोडक्शन से जुड़े प्रोफेशनल्स समेत कई तरह के क्रिएटिव और टेक्निकल क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यूट्यूब के क्रिएटर इकोसिस्टम का भारत की जीडीपी में योगदान पिछले साल के मुकाबले बढ़ा है। इससे पहले के साल में इस इकोसिस्टम ने 16000 करोड़ रुपये से ज्यादा का आर्थिक

अर्थ/बाजार

एयू स्माल फायनांस बैंक ने एमएफआईबी खोलने में भी 1000 के जादुई आंकड़ों को पार कर लिया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंकों में से एक है एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक। रिजर्व बैंक से इसे यूनिवर्सल बैंक में बदलने की इन-प्रिंसिपल मंजूरी भी मिल गई है। इसका माइक्रोफाइनेंस और फाइनेंशियल इनक्लूजन बिजनेस नेटवर्क अब 1,000 शाखाओं की संख्या को पार कर गया है। ये शाखाएं गांव-कस्बों में बैंकिंग एक्सेस बढ़ाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

ग्रामीण इलाकों में बढ़ेगी पैठ

नेटवर्क का विस्तार माइक्रोफाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म से ज्यादा वित्तीय सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला तक बैंक को पहुंच प्रदान करता है। इसमें न सिर्फ सैविंग बैंक अकाउंट का सोल्युशन मिलेगा बल्कि ग्राहकों को बीमा, आधार-सक्षम बैंकिंग सेवाएं, डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर एक्सेस, डिजिटल पेमेंट आदि सेवाएं भी मिलेंगी।

भरोसे का प्रतीक

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम

टिबरेवाल का कहना है ‘ 1000 शाखाओं की संख्या को पार करना हमारे लिए सिर्फ एक नेटवर्क मील का पत्थर



नहीं है। यह उस भरोसे का प्रतिनिधित्व करता है जो ग्रामीण भारत के ग्राहक वर्षों से, में रखते आए हैं। बैंक भारत की ग्रोथ स्टोरी में सक्रिय तरीके से भागीदारी कर रहा है साथ ही अनगिनत परिवारों की समृद्धि में भी सहायक हो रहा है। एक नेटवर्क मील का पत्थर नहीं है। यह उस भरोसे का प्रतिनिधित्व करता है जो ग्रामीण भारत के ग्राहक वर्षों से, में रखते आए हैं। बैंक भारत की ग्रोथ स्टोरी में सक्रिय तरीके से भागीदारी कर रहा है साथ ही अनगिनत परिवारों की समृद्धि में भी सहायक हो रहा है।

एनपीएस में रिस्क क्षमता देखकर मिलेगी स्कीम, नया प्लैटफॉर्म लाने की तैयारी



नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशन प्रोडक्ट्स को लेकर नियम-कायदों के सुरक्षा घेरे मजबूत करने और ग्राहकों को बेहतर विकल्प देने के मकसद से पेंशन फंड नियामक एक सुटेबिलिटी प्लैटफॉर्म लाने की तैयारी कर रहा है। यह प्लैटफॉर्म (नैशनल पेंशन सिस्टम) सब्सक्राइबर्स की जोखिम उठाने की क्षमता का आकलन करेगा और स्कीम चुनने से पहले उनसे इससे जुड़े जरूरी सवाल पूछेगा।

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी के चेयरमैन एस. रमण ने कहा, हमारा पूरा फोकस इस बात पर है कि प्रोडक्ट ग्राहक की जरूरत के हिसाब से हो और उसकी रिस्क लेने की क्षमता का पता चले। चाहे प्लैटफॉर्म हो या ट्रस्ट का प्लैटफॉर्म, हर जाह सब्सक्राइबर्स से सही सवाल पूछे जाएंगे। हालांकि, स्कीम का आखिरी चुनाव उनका अपना ही होगा। लेकिन हमारा काम उनका उनकी रिस्क क्षमता को बेहतर तरीके से समझना और तय करना है।

रमण ने कहा कि ग्राहकों की जरूरतों के हिसाब से सही विकल्प देने का एक जरिया लाइफसाइकल प्रोडक्ट्स भी हैं। रिस्क ऐपेटाइज के आधार पर चार लाइफसाइकल ऑप्शन उपलब्ध हैं। इनमें जैसे-जैसे सब्सक्राइबर की उम्र बढ़ती है, पैसें का निवेश अपने आप बदल जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, भारतीयों की औसत उम्र बढ़ रही है और यह 78 साल तक पहुंच गई है। दूसरी तरफ औसतन परिवार का आकार घटकर 4.4 सदस्यों का रह गया है। इसके बावजूद, देश में पेंशन का दायरा अभी भी 17 से 18 फीसदी के निचले स्तर पर बना हुआ है। अध्ययन के मुताबिक, रिटायरमेंट के लिए एनपीएस को गंभीरता से चुनने वाले लोगों का आंकड़ा 2023 के मुकाबले 6 पॉइंट बढ़कर 59 पर पहुंच गया है। वहीं, बचत के मुख्य कारणों में बच्चों की पढ़ाई का स्थान अब इमरजेंसी सेविंग्स ने ले लिया है।

ईपीएफ सीमा का असर

रमण ने कहा कि की सीमा बढ़ने से कोई असर नहीं पड़ेगा. कर्मचारी इस सीमा के बाद भी अन्य विकल्पों में निवेश कर सकते हैं। एस. रमण ने बताया कि लंबी अवधि के निवेशकों को डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो की जरूरत होती है और कम से कम 15 साल तक निवेशित रहने वालों को इक्विटी से काफी फायदा मिलता है। निवेश का दायरा बढ़ाते हुए इसमें अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स को भी शामिल कर लिया है।

अमेरिका में ज्यादा ऑप्शन थे, लेकिन...’ नौकरी छोड़ भाई के साथ अपना काम, आज 25 करोड़ की कंपनी के मालिक

अमेरिका में ज्यादा ऑप्शन थे, लेकिन...’ नौकरी छोड़ भाई के साथ अपना काम, आज 25 करोड़ की कंपनी के मालिक

अमेरिका में ज्यादा ऑप्शन थे, लेकिन...’ नौकरी छोड़ भाई के साथ अपना काम, आज 25 करोड़ की कंपनी के मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है अहमदाबाद के दो भाइयों की। इनके नाम हैं अतीश शाह और आशील शाह। निजी जरूरत के अनुभव से उन्हें आईडिया मिला। इसे भाइयों ने सफल बिजनेस में तब्दील कर दिया। उनके स्टार्टअप का नाम 'पोल्का टॉट्स' है। यह ब्रांड नवजात शिशुओं से लेकर आठ साल तक के बच्चों के लिए कपड़े, स्वीट्स (बच्चों को लपेटने वाले मुलायम कपड़े) और रोजमर्रा के एसेशियल्स बेचता है। आज इसका ग्रॉस टर्नओवर 25 करोड़ रुपये के पार निकल गया है।

आइए, यहां अतीश शाह और आशील शाह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।
साल 2016 की बात है। आशील शाह के घर पहले बच्चे का आमगन होने वाला था। अमेरिका में रह रहे उनके भाई अतीश शाह भारत के लिए बेबी प्रोडक्ट्स की तलाश कर रहे थे। इस दौरान

पिछले महीने ही मिली थी यह उपलब्धि

इस बैंक ने व्हीकल लोन कारोबार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। तब बैंक का व्हीकल लोन पोर्टफोलियो 50,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट के पार पहुंच गया था। बैंक के मुताबिक, उसके व्हीकल लोन कारोबार ने पिछले तीन वर्षों में 26% और पांच वर्षों में 29% की दर्ज की है। यह कारोबार स्मॉल फाइनेंस बैंक का सबसे बड़ा लेंडिंग बिजनेस है और बैंक के कुल लोन पोर्टफोलियो में करीब एक-तिहाई हिस्सेदारी रखता है। इस कारोबार से देशभर में 13.7 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े हुए हैं।

17 राज्यों में हो गई पहुंच

स्मॉल फाइनेंस बैंक से मिली जानकारी के अनुसार इसकी 1,000+ शाखाएं उत्तर, मध्य, पूर्व और दक्षिण भारत के प्रमुख ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में फैली हुई हैं। बैंक का कहना है कि उसका नेटवर्क 20 लाख से अधिक ग्राहकों और 59,000+ गांवों में 58 लाख+ ग्रामीण बचत खाता धारकों को सेवा प्रदान करता है। यह 17 राज्यों और 1 केंद्रशासित प्रदेश में फैले हुए हैं।

इस बैंक ने व्हीकल लोन कारोबार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। तब बैंक का व्हीकल लोन पोर्टफोलियो 50,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट के पार पहुंच गया था। बैंक के मुताबिक, उसके व्हीकल लोन कारोबार ने पिछले तीन वर्षों में 26% और पांच वर्षों में 29% की दर्ज की है। यह कारोबार स्मॉल फाइनेंस बैंक का सबसे बड़ा लेंडिंग बिजनेस है और बैंक के कुल लोन पोर्टफोलियो में करीब एक-तिहाई हिस्सेदारी रखता है। इस कारोबार से देशभर में 13.7 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े हुए हैं।

इस बैंक ने व्हीकल लोन कारोबार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की थी। तब बैंक का व्हीकल लोन पोर्टफोलियो 50,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट के पार पहुंच गया था। बैंक के मुताबिक, उसके व्हीकल लोन कारोबार ने पिछले तीन वर्षों में 26% और पांच वर्षों में 29% की दर्ज की है। यह कारोबार स्मॉल फाइनेंस बैंक का सबसे बड़ा लेंडिंग बिजनेस है और बैंक के कुल लोन पोर्टफोलियो में करीब एक-तिहाई हिस्सेदारी रखता है। इस कारोबार से देशभर में 13.7 लाख से अधिक ग्राहक जुड़े हुए हैं।

दुनिया को पड़ सकते हैं खाने के लाले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने किया आगाह, आने वाला है बहुत संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान और यूक्रेन युद्ध के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बड़े संकट के प्रति दुनिया को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि ईरान और यूक्रेन युद्धों के कारण दुनिया में उर्वरक की कमी हो गई है। इससे आने वाले दिनों में एक बड़ा खाद्य संकट आ सकता है। उन्होंने कहा कि खासकर ग्लोबल साउथ की अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्थिति बहुत तनावपूर्ण है। भारत भी ग्लोबल साउथ का हिस्सा है।



जयशंकर ने न्यूयॉर्क में 'एशिया सोसाइटी' में कहा, 'यह हमारे लिए बड़ी चिंता की बात है। अगर आप इन दोनों युद्धों यूक्रेन और अब ईरान-खाड़ी संघर्ष को देखें, तो इनका ग्लोबल साउथ की अर्थव्यवस्थाओं पर बहुत बुरा असर पड़ा है।' ग्लोबल साउथ का मतलब उन विकासशील और अल्प विकसित देशों से है जो मुख्य रूप से एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका में स्थित हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि ऊर्जा की स्थिति को लेकर खास चिंता है, क्योंकि बाजार में आपूर्ति बहुत कम है और ऊपर से, अगर लोग इस पर राजनीति करते हैं, तो इससे बाजार में मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। इससे कीमतें उस वक्त बढ़ेंगी, जब असल में लोगों को कीमतों को स्थिर करने की कोशिश करनी

चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया में उर्वरक की भारी कमी हो सकती है, क्योंकि इसके मुख्य उत्पादक देश पश्चिम एशिया और रूस हैं और वहां उर्वरक

के उत्पादन पर असर पड़ा है।

जयशंकर ने कहा, 'तो इसका एक हिस्सा असल में तेल की आपूर्ति की सुरक्षा से जुड़ा है, और दूसरा हिस्सा तेल की आपूर्ति की राजनीति से। ये दोनों एक-दूसरे पर असर डाल रहे हैं और एक दोहरा संकट या और गंभीर संकट पैदा कर रहे हैं। आज हम ऐसी स्थिति देख रहे हैं, जिसमें अनाज के कुछ बड़े निर्यातक देश अपनी खेप नहीं भेज पाएंगे, खासकर काला सागर मार्ग से।'

सुपर अल नीनो जैसे मौसम के पैटर्न के असर का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा, 'आगामी महीनों में शायद एक बड़ा खाद्य संकट आ सकता है।

उन्हें महसूस हुआ कि यह सेक्टर बेहद असंगठित है। बाजार में अच्छे ऑफर्स की भारी किल्लत है। इसी व्यक्तिगत निराशा और खालीपन ने उन्हें आईडिया दिया। नौकरी छोड़कर उन्होंने भाई के साथ साल 2018 में अपने स्टार्टअप की नींव डाली। अतीश ने एक इंटरव्यू में कहा, 'अमेरिका में बेशक ज्यादा विकल्प थे। लेकिन, हम चर्चा

हिन्द जनपथ

पंचकूला

गुरुवार 1 अक्टूबर 2026

ऑयल सप्लाई युद्ध पूर्व स्तर के करीब पर कीमत अब भी 100 के पार, कहां डबल हुए डीजल के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की मिडिल ईस्ट से सप्लाई युद्ध से पहले के स्तर के करीब पहुंच रही है।। सऊदी अरब ने होर्मुज स्ट्रेट को बाईपास करने वाली पाइपलाइन से तेल भेजना फिर शुरू कर दिया है। हालांकि, ब्रेंट क्रूड अब भी 100 डॉलर प्रति बैरल के पार बना हुआ है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट 103 डॉलर के आसपास है। दूसरी ओर अमेरिकी बेंचमार्क पिछले सत्र में 3.5% गिरने के बाद 89 डॉलर प्रति बैरल की ओर फिसल गया है। इस बीच भारत की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 30 सितंबर के पेट्रोल-डीजल के रेट जारी कर दी हैं। आज भी इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। बेंचमार्क दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये लीटर है। क्रूड के 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बने रहने से दुनिया के कई देश पेट्रोल-डीजल की महंगाई से जूझ रहे हैं। ईरान युद्ध के बाद से अबतक लेबनान और नाइजीरिया में डीजल की कीमत में 104 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक इंडोनेशिया, पनामा, बोलीविया और ग्वाटेमाला में डीजल के दाम करीब 81 से 87 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। सप्लाई युद्ध से पहले के स्तर का 98% पर जेपी मॉर्गन की नताशा कानेवा की टीम के मुताबिक, मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल का निर्यात बढ़कर 17.5 मिलियन बैरल रोज हो गया है। यह युद्ध से पहले के स्तर का 98% है।

उत्तर रेलवे					
ई-निविदा					
खुली निविदा संख्या 28-अंबाला /2026-27 दिनांक 29.09.2026					
बरिच मंडल अभियंता-समयच/अंबाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।					
क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (₹.)	अग्रिम राशि (₹.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	जमालपुर रोडॉ, लेहरा नागा और हिममताना स्टेशनों पर मौजूदा प्लेटफॉर्म का विस्तार और उन्हें ऊंचे स्तर तक उठाना।	6,90,76,390/-	13,81,500/-	15 महीने	23.10.2026
2	राजपुरा-भूरी सेक्शन में एल.एच.एस. संख्या 32A पर कवर्ड रोड का प्रावधान तथा एल.एच.एस. संख्या 32A एवं 38B पर सतह में सुचारु, जॉइंट सीसिंग, जल निकासी एवं बुटुड़ीकरण का कार्य।	2,06,34,736/-	4,12,700/-	10 महीने	23.10.2026
3	खरड़, बराड़ा, लालढू और घूलकोट रेलवे स्टेशनों पर रैप का प्रावधान।	4,37,32,314/-	8,74,700/-	12 महीने	23.10.2026
4	खरड़ और दुखेड़ी स्टेशनों पर यात्री प्लेटफॉर्म को LL से HL तक ऊंचा करना, और दुखेड़ी रेलवे स्टेशन पर रैप के साथ 3 मीटर चौड़ा FOB बनाना।	8,77,19,202/-	17,54,400/-	12 महीने	23.10.2026
5	अंबाला डिवीजन में नॉन-इंटरलॉक L-क्रॉसिंग गेट्स पर गेट सिग्नलिंग के लिए रिले हट की व्यवस्था (TVU 10000 और 20000 के बीच) (सरहिंद-दोलतपुर चौक सेक्शन- लेवल क्रॉसिंग नंबर 26, 36, 41, 57, 58, 59, 64, 65, 66, 67, 74, 75, 81 और 84, न्यू मोरिडा-सानेहवाल सेक्शन- लेवल क्रॉसिंग नंबर 12 और 14, हिंडन कैंबिन-सहारनपुर जंक्शन सेक्शन- लेवल क्रॉसिंग नंबर 540C और घंड़ी मंदिर-कालका सेक्शन- लेवल क्रॉसिंग नंबर 137C, कुल 18 लेवल क्रॉसिंग)।	2,78,56,627/-	5,57,100/-	09 महीने	23.10.2026
नोट: 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कोपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग /नेटवे पेमेन्ट / बैंक गारंटी बांड, अनुबंध-IV के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई-निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सांटेफिकेट द्वारा लॉग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होंगी।					
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ					
3393/2026					



आत्मविश्वास को दर्शाता है गैरजरूरी चीजों को मना करना

ज्यादातर लोग मानते हैं कि अगर वे ऑफिस में किसी काम को ‘ना’ कहेंगे, तो उनकी इमेज खराब होगी। इस डर से लोग उन कामों को भी मना नहीं करते, जो उनकी जॉब प्रोफाइल का हिस्सा नहीं होते। मगर ठोस कारण के साथ गैरजरूरी चीजों को मना करना आपके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

प्रभाव को आंकेँ

जब भी आपके मन में किसी काम को ‘ना’ कहने की बात आए, तो सबसे पहले खुद से पूछें कि आपके मना करने से सबसे बुरा प्रभाव क्या होगा फिर अपने वर्कलोड को देखते हुए ही कोई निर्णय लें। पहले सुनें अगर आप अपने बॉस की किसी बात से असहमत हैं, तो अपना नजरिया रखने से पहले उनकी बात पूरी सुनें और सोचें कि आपके दीर्घावधि करियर प्लान में इससे कुछ फायदा होगा या नहीं। अगर नहीं, तो उनके सामने सम्मान पूर्वक अपनी बात रखें। अगर आपने उनके आड़िया को ध्यान में रखते हुए अपनी बात कही, तो वे आपकी बात जरूर सुनेंगे।

गलतफहमियों से बचें

आपको जो भी टास्क दिया जा रहा है, उससे आपके प्रोजेक्ट पर क्या असर पड़ेगा, अपने सीनियर्स को यह समझाने की कोशिश करें और हो सके, तो अपने फैक्ट्स शेयर करें। इससे गलतफहमियां नहीं होंगी और आपको अतिरिक्त काम के दबाव से भी छुटकारा मिलेगा।

भारी पड़ती आदत

अक्सर लोग नई जॉब में हर काम को अपने हाथ में ले लेते हैं, ताकि अपने बॉस को खुश कर सकें। मगर उनकी यही आदत बाद में उन पर भारी पड़ जाती है। इसलिए शुरू से ही एक सीमा तय करें, ताकि कोई भी सीनियर आपका फायदा न उठा सके।

टाइमिंग देखें

किसी भी काम के लिए हामी भरने या उसे मना करने की टाइमिंग बहुत मायने रखती है। ऐसे में अगर ऑफिस में आपकी नकारात्मक इमेज बनाई जा रही है, तो किसी भी काम को मना करने से बचें। ऐसे वक़्त में ज्यादा से ज्यादा परफॉर्म करने की कोशिश करें।



समाज में रहने वाले लोगों से सीधा जुड़ा विषय है समाजशास्त्र

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग-अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जनसंपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों में समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधे समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि अत्यंत रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

अवसरों के अंबार

समाज शास्त्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। शिक्षा और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने के

अलावा आप प्रशासनिक सेवा, मीडिया और कारपोरेट घरानों में भी अपने लिए नौकरी तलाश सकते हैं। सोशल साइंस के विभिन्न विषयों में जॉब अवसर हाल के दिनों में सबसे ज्यादा बढ़े हैं। एमए के बाद प्रशासनिक सेवा और रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रवेश पाने के लिए सोशल साइंस सबसे बेहतर विषय है। मीडिया में भी इस विषय के जानकारों की काफी मांग है क्योंकि वे समाज और उससे जुड़ी घटनाओं को दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और इन विषयों पर अपना पक्ष रखते हुए दर्शकों और पाठकों को उसके अनछुए पहलुओं से भी रू-ब-रू करवा पाते हैं। समाजशास्त्र के छात्र एनजीओ के साथ भी काम कर सकते हैं। साथ ही वे समाज से जुड़े अन्य विषयों जैसे पर्यावरण, लिंगभेद आदि पर भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में भी काफी अच्छे अवसर हैं।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस,

इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना अनिवार्य है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

वेतनमान

समाजशास्त्र के क्षेत्र में वेतन इस बात पर निर्भर करता है कि आप ने सरकारी क्षेत्र में ज्वाइन किया है या निजी क्षेत्र में। आप अपने देश में ही रोजगार पर लगे हैं या फिर विदेश में किसी एनजीओ के साथ कार्यरत हैं। इस फील्ड में आरंभिक वेतन लगभग 15000 से 20000 हजार तक है। कार्य अनुभव और पद के अनुसार वेतन बढ़ता जाता है।

विभिन्न कोर्सेज

- ▶ अप्लाइड सोशोलॉजी
- ▶ सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
- ▶ इकॉनॉमिक सोशोलॉजी
- ▶ पोलिटिकल सोशोलॉजी
- ▶ सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- ▶ सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- ▶ समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास करना।
- ▶ सामाजिक विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास करना।

विदेशों में भी अवसर

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद रोजगार की संभावनाएं काफी होती हैं। ये अवसर अपने देश में भी

समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

हैं, पर विदेशों में भी समाजशास्त्र विशेषज्ञों की काफी मांग है। यूनिसेफ और रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाजशास्त्र के विशेषज्ञों को काफी अच्छे पैकेज पर अवसर उपलब्ध करवाती हैं। यानी कि इसका करियर विस्तार विदेशों तक संभावनाएं पैदा करता है।

प्रमुख शिक्षण संस्थान

- ▶ हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला (हिप्र)
- ▶ गवर्नमेंट कालेज धर्मशाला (हिप्र)
- ▶ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- ▶ पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- ▶ दिल्ली यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- ▶ जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
- ▶ बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
- ▶ देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर
- ▶ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- ▶ टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई



कॅरियर ग्रोथ के लिए जरूरी नहीं कि आप बार-बार जॉब बदलें

पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज-मस्ती के बाद उन्हें अपने करियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सकें। कॅरियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार-बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊंचाइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन कॅरियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

टीम में काम करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनेलिटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपको सहज रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

दबाव में काम करना

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है।

हालांकि कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने कॅरियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा कॅरियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहे कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते,

अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए।

जिससे आपको अपने कॅरियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ-साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉप करने पर भी फोकस करना चाहिए।

अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बातें हैं जो आपके कॅरियर को प्रभावित कर सकती है। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फलेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाइरोब पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी-छोटी बातें आपके कॅरियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।



संक्षिप्त

समाचार

भारतीय पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने जीता गोल्ड

चीनी तीरंदाजों को हराया

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारतीय दल का आर्चरी में स्वर्णिम सफर जारी है। भारतीय आर्चरी टीम ने तीसरा गोल्ड जीत लिया है। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिारत्नम थिरुमुरु वाली भारतीय पुरुषों की



कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने फाइनल में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीता। कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिारत्नम थिरुमुरु की तिकड़ी ने एक रोमांचक फाइनल में चीन के जियाओ लियाओ, जिनयी लियु और जिंग्यू शी को 238 – 237 से हराकर भारत के कंपाउंड तीरंदाजों के लिए गोल्ड मेडल की हैट्रिक पूरी की। यह जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत फाइनल में दो पॉइंट से पीछे था और चीन की बढ़त को खत्म करने के लिए उसे एक मजबूत फिनिश की जरूरत थी।

कपिल पोखरिया को करना पड़ा ब्रॉन्ज मेडल से संतोष

सेमीफाइनल में मिली हार

निशियो । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष मुक्केबाज कपिल पोखरिया को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा है। कपिल को 90 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान के तुरबेक खबीबुल्लाव के खिलाफ 1–4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले में कपिल तुरबेक के सामने संघर्ष करते नजर आए



और फाइनल में जगह बनाने का उनका सपना साकार नहीं हो सका। हालांकि, वह अपने एशियन गेम्स डेब्यू में ही ब्रॉन्ज मेडल जीतने में जरूर सफल रहे। तुरबेक ने शुरुआत से ही मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले राउंड को 5–0 से जीता। इसके बाद दूसरे राउंड में भी उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज का दबदबा देखने को मिला और वह राउंड को 4–1 से अपने नाम करने में सफल रहे।

गुलवीर नेलगाई मेडल की हैट्रिक, 5000 मीटर दौड़ में जीता ब्रॉन्ज

नागोया । गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में इतिहास रचते हुए मेडल की हैट्रिक पूरी कर ली है। भारतीय धावक ने मंगलवार को मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों की 5000 मीटर



दौड़ के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता। गुलवीर ने इस रेस को 13:32.75 सेकंड में पूरा किया। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 13:30.79 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान के यामागुची टोमोनोरी 13:31.43 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

खेल

श्री चरणी ने रच दिया इतिहास

आईसीसी विमेंस टी20 बॉलिंग रैंकिंग में बनाया नया रिकॉर्ड

दुबई । भारत की श्री चरणी ने आईसीसी विमेंस टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अब तक की सबसे ज्यादा रेटिंग का नया रिकॉर्ड बनाया है।

एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ की स्पिनर अपने करियर के बेस्ट 817 प्वाइंट्स तक पहुंच गईं। श्री चरणी पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में 'वर्ल्ड नंबर-1' गेंदबाज हैं। अब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के (806 रेटिंग प्वाइंट्स) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिसे मेगन ने नवंबर 2018 में बनाया था। चरणी ने भारत की सफल यात्रा में अहम भूमिका निभाई और एशियन

गेम्स में अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए भारत को अपना गोल्ड मेडल बचाने में मदद की। एशिया कप 2026 में श्री चरणी ने 12 विकेट लेकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे।

श्री चरणी ने एशियन गेम्स 2026 में जापान के खिलाफ 10/4 का अपना करियर-बेस्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी। खिताबी मैच में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 13 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत ने यह मैच 147 रन से जीतकर गोल्ड मेडल जीता।



एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के विरुद्ध 6 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने 754 प्वाइंट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है, जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 723 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशियन गेम्स के फाइनल में 79 रन की पारी खेली थी, जिसके साथ उन्होंने टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की रैंकिंग में टॉप-5 में वापसी कर ली है।

दूसरी ओर, हारे में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के बीच जारी सीरीज ने वनडे फॉर्मेट में काफी बदलाव किया है। यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है।

वेस्टइंडीज की ऑल-राउंडर हेली मैथ्यूज ने सीरीज के पहले मैच में 182 रनों की दमदार पारी खेली थी, जिसके बाद वह 711 प्वाइंट्स के साथ बैटिंग रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गईं। उनकी साथी रियलीना ग्रिमंड 34 पायदान ऊपर चढ़कर 270 प्वाइंट्स के साथ संयुक्त रूप से 102वें स्थान पर पहुंच गईं।

इस बीच, जिम्बाब्वे की न्याशा ग्वांजुरा ने वनडे बॉलिंग रैंकिंग में एक अहम स्थान हासिल किया; उन्होंने दूसरे वनडे में 18 रन बनाने के साथ 4 विकेट हासिल किए। इस तरह वह 52 पायदान ऊपर चढ़कर 156वें स्थान पर पहुंच गईं।

लवलीना रोमांचक मुकाबले में नताल्या बोगदानोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं

ओकाजाकी । भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरोगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवा को स्विफ्ट फैसले में 3-2 से हराया। इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज से देश को गोल्ड मेडल की आस है।

लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स में फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने जबरदस्त वापसी की। पहले राउंड में लवलीना लय में दिखाई नहीं दीं और उन्हें यह राउंड 2-3 से गंवाना पड़ा। हालांकि, इसके बाद भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया, जिसका असर उनके खेल में भी नजर आया। लवलीना ने दूसरा और फिर तीसरा राउंड अपने नाम किया। लवलीना के एक के बाद दमदार पंचों के आगे कजाकिस्तान की महिला मुक्केबाज मुश्किल में दिखाई दी। दूसरे राउंड में लवलीना को पांच जजों की ओर से 10-10 प्वाइंट मिले। वहीं, तीसरे राउंड में दो जज ने लवलीना को 10, जबकि तीन जजों ने 9 प्वाइंट दिए। हालांकि, भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंघस को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। उन्हें सेमीफाइनल में चीन की यांग चेंग्यू के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। प्रिया सेमीफाइनल मैच में लय में दिखाई नहीं दीं और उनके पास चीन की मुक्केबाज के पंचों का कोई जवाब नहीं था। प्रिया ने मुकाबले की शुरुआत जरूर आक्रामक अंदाज में की, लेकिन यांग चेंग्यू का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। पुरुष भारतीय मुक्केबाज अंकुश पंधाल 80 किलोग्राम के फाइनल में पहुंच चुके हैं। वहीं, नरेंद्र ने सेमीफाइनल मैच हारने के बाद ब्रॉन्ज मेडल जीता। नरेंद्र को सेमीफाइनल में ओरलबे ने एकतरफा अंदाज में 0-5 से हराया। महिला मुक्केबाज परवीन हुड्डा 65 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में पहुंच चुकी हैं।



महिला तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी, गोल्ड जीता

राजेश-चिकिथा ने मिक्स्ड कंपाउंड टीम इवेंट में जीता गोल्ड

ओलंपिक 2028 का टिकट भी हुआ पक्का

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मिक्स्ड कंपाउंड आर्चरी टीम ने गोल्ड पर निशाना लगाया है। महिला टीम के गोल्ड जीतने के बाद राजेश जाधव और चिकिथा तनिपार्थी की जोड़ी ने मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए साउथ कोरिया को एक रोमांचक शूट-ऑफ में हराया। फाइनल में मुकाबला 157-157 की बराबरी पर खत्म हुआ, जिसके बाद भारतीय जोड़ी ने शूट-ऑफ में साउथ कोरिया के पार्क जुंगयून और चोई योगही को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट का कोटा भी हासिल कर लिया है। यह इवेंट पहली बार ओलंपिक में शामिल किया जाएगा। इससे पहले, महिला टीम के गोल्ड मेडल जीतने के बाद, यह चिकिथा का आइवी-नागोया में दूसरा गोल्ड है। एशियन गेम्स



2026 में यह भारत का आठवां गोल्ड है। कुल मिलाकर, भारत के मेडल अभी 54 हैं, जिसमें आठ गोल्ड, 21 सिल्वर और 25 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। चिकिथा और साहिल ने शानदार शुरुआत की, दोनों तीरंदाजों ने अपने शुरुआती शॉट में '10-रिंग' हासिल की। ?शुरुआती रोटेशन के बाद कोरियाई खिलाड़ियों ने उनकी बराबरी करते हुए स्कोर 20-20 कर दिया।

इसके बाद भारत को पहला फायदा तब मिला जब पार्क ने 9 का स्कोर किया। चिकिथा और साहिल ने 10 की एक और जोड़ी के साथ जवाब दिया और पहले एंड के आखिर में 40-39 से आगे हो गए। भारतीय जोड़ी ने दूसरे एंड में भी बेहतरीन निशाने लगाए और अपनी बढ़त दो अंक तक बढ़ा ली। चिकिथा और साहिल ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरुआती चारों शॉट में 10-10 अंक हासिल किए।

नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने मिक्स्ड ट्रैप शूटिंग इवेंट में भारत को दिलाया गोल्ड मेडल

ओकाजाकी । एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आया है। शूटिंग के मिक्स्ड ट्रैप इवेंट में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को इस टूर्नामेंट का 9वां गोल्ड मेडल दिलाया। नीरू और किनान की जोड़ी ने 34 प्वाइंट्स अर्जित करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, कतर ने 32 प्वाइंट्स हासिल करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन 23 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। ईरान फाइनल में 12 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहा। नीरू का यह एशियन गेम्स 2026 में तीसरा मेडल है। इससे पहले, नीरू ने महिलाओं के ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर



मेडल जीता था। इसके साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। वह ट्रैप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। मिक्स्ड ट्रैप इवेंट के फाइनल

में नीरू और किनान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली सीरीज में 6 प्वाइंट हासिल किए, जबकि दूसरी सीरीज में यह भारतीय जोड़ी 16 प्वाइंट अर्जित करने में कामयाब रही। तीसरी सीरीज के अंत तक भारत ने 26 प्वाइंट हासिल किए और चौथी और आखिरी सीरीज में स्कोर को 34 पर पहुंचाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

बुधवार को यह भारत ने तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, आर्चरी के मिक्स्ड कंपाउंड इवेंट में राजेश जाधव और चिकिथा तनिपार्थी की जोड़ी ने देश को गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने रोमांच से भरपूर फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया को शूट-ऑफ में हराया।

महिला 4X400 मीटर रिले टीम को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पर

प्रधानमंत्री मोदी ने बधाई दी

को हार्दिक बधाई। उनकी गति और दृढ़ संकल्प ने भारत को शीर्ष स्थान पर पहुंचाया। यह भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का क्षण है और टीम वर्क की उपलब्धियों का एक बेहतरीन उदाहरण है! खिलाड़ियों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

फाइनल में भारत ने छठे लेन से शुरुआत की, जिसमें किरण ने पहला लेग दौड़ा और फिर तीसरे स्थान पर अनुभवी पूवम्मा को बैटन सौंपा। पूवम्मा ने दूसरे लेग में दमदार प्रदर्शन करते हुए भारत को शीर्ष स्थान पर ला खड़ा किया।

प्राची ने भारत को पदक की दौड़ में बनाए रखा और फिर एंकर लेग के लिए बैटन विथ्या को सौंप दिया।

विथ्या ने शानदार फिनिशिंग करते हुए 200



मीटर के निशान के पास अपनी बढ़त बनाई और अंतिम क्षणों में बहरीन की सलवा ईद नस को पछड़कर भारत के लिए स्वर्ण पदक पक्का किया। यह जीत एशियाई खेलों के पिछले संस्करण में महिलाओं की 4x400 मीटर रिले में भारत के रजत पदक से कहीं बेहतर प्रदर्शन था।

विथ्या के लिए भी यह खेल यादगार रहा, क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता में अपना तीसरा पदक जीता। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में रजत और कांस्य पदक जीते थे और रिले फाइनल से एक दिन पहले राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। जापान 3:31.44 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहा, उसके बाद वियतनाम, कजाकिस्तान, श्रीलंका और चीनी ताइपे रहे।

भारतीय पुरुषों ने 4x400 मीटर रिले में जीता ब्रॉन्ज

कुल 24 मेडल के साथ एथलेटिक्स में अभियान समाप्त



स्थान हासिल किया। जापान ने 3:00.75 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि कतर ने 3:00.93 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत चैंपियन टीम से 0.86 सेकंड पीछे रहा। फाइनल में धर्मेवीर ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और मनु को बैटन सौंपी, तब तक टीम मेडल की दौड़ में मजबूती से बनी हुई थी। दूसरे लेग के दौरान मनु को भीड़ का सामना करना पड़ा और उन्हें ट्रैक पर अपनी जगह बनाए रखने के लिए धूमना पड़ा, जिससे जब जय कुमार ने दौड़ संभाली तो भारत चौथे स्थान पर था।

नागोया। भारत ने मंगलवार को पुरुषों की 4x400 मीटर रिले में ब्रॉन्ज मेडल के साथ 'एशियन गेम्स 2026' में अपने एथलेटिक्स अभियान का समापन किया। मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में धर्मेवीर चौधरी, मनु थीक्किनिल, जय कुमार और विशाल थेन्नारासु की भारतीय चौकड़ी ने 3:01.61 सेकंड का समय लेकर तीसरा



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किरण पहल, एमआर पूवम्मा, प्राची चौधरी और विथ्या रामराज को मंगलवार को एशियाई खेलों में महिला 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में भारतीय टीम ने 3:29.69 का समय निकालकर बहरीन (3:30.21) और चीन (3:31.02) को पीछे छोड़ दिया, जिससे भारत ने एशियाई खेलों में महिला 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक का लंबा इंतजार खत्म किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एशियाई खेलों में महिला 4x400 मीटर रिले में शानदार प्रदर्शन के लिए किरण पहल, पूवम्मा एमआर, प्राची और विथ्या रामराज

हरियाणा के पात्र पेंशनरों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्रदान करने के लिए ट्रेजरी स्तर पर चलाया जाएगा विशेष अभियान

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने राज्य के पात्र सरकारी पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को कॉम्प्रिहेंसिव कैशलेस हेल्थ फैसिलिटी (CCHF) योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए सभी ट्रेजरी अधिकारियों और सहायक ट्रेजरी अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, ट्रेजरी एवं सब-ट्रेजरी कार्यालयों में आने वाले पात्र पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को CCHF योजना और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही, उन्हें योजना के तहत नामांकन/पंजीकरण को निर्धारित प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं विवरण तथा आयुभाम भारत पोर्टल से CCHF कार्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा।

सरकार ने विशेष रूप से बुजुर्ग एवं जरूरतमंद पेंशनरों तथा पारिवारिक पेंशनरों को योजना का लाभ लेने में आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इसके अतिरिक्त, पात्र पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों की सुविधा के लिए ट्रेजरी एवं सब-ट्रेजरी स्तर पर विशेष अभियान आयोजित किए जाने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि उन्हें CCHF कार्ड बनवाने में आवश्यक सहयोग मिल सके।

हरियाणा एनएचएम ने जिलेवार स्वास्थ्य मूल्यांकन के लिए पहली त्रैमासिक प्रदर्शन समीक्षा पुस्तिका जारी की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) हरियाणा ने अपनी पहली त्रैमासिक प्रदर्शन समीक्षा (क्यूपीआर) पुस्तिका जारी की है, जिसका शीर्षक 'प्रथम त्रैमासिक समीक्षा– 2026-27' है। क्यूपीआर की कल्पना जिला स्तर पर एनएचएम कार्यक्रम के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एक व्यापक, संकेतक-आधारित तंत्र के रूप में की गई है। इसका उद्देश्य उच्च और निम्न प्रदर्शन करने वाले जिलों की पहचान करके, चिंता के क्षेत्रों को उजागर करके और सेवा वितरण को प्रभावित करने वाली प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने के लिए जिलों को सक्षम बनाकर जिला-वार प्रदर्शन की गहन समझ देना है।

इस पुस्तिका को प्रोग्राम मैनेजरों, मेडिकल अधिकारियों, जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों तथा एनएचएम कार्यान्वयन में शामिल अन्य सभी हितधारकों के लिए एक व्यापक और व्यावहारिक मार्गदर्शिका के रूप में संकलित किया गया है। वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धतियों का उपयोग करके बेसलाइन डेटा एकत्र किया गया था।

एनएचएम के मिशन निर्देशक डॉ. आर.एस. हिल्लों ने कहा कि प्रदर्शन ढांचे को चार प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है: प्रजनन, मातृ, नवजात, शिशु और किशोर स्वास्थ्य, स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ीकरण, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम और गैर-संचारी रोग। ये संकेतक कार्यक्रम के कार्यान्वयन, कवरेज, गुणवत्ता और परिणामों का एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं, जिससे साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने और लक्षित सुधारात्मक कार्रवाई करने में सुविधा मिलती है। एक निम्नक्ष और तुलनीय मूल्यांकन के लिए अंक विधि, जेड-स्कोर और सामान्यीकरण विधि को मिलाकर मजबूत स्कोरिंग ढांचा तैयार किया गया है, जिसके आधार पर जिलेवार रैंकिंग विकसित की गई है। यह रैंकिंग जिलों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और निरंतर सुधार की भावना को बढ़ावा देती है, जिससे जिलों को अपने बेहतर प्रदर्शन करने वाले साथियों से सीखने का प्रोत्साहन मिलता है, और सभी जिलों के साथ विस्तृत प्रदर्शन रिपोर्ट साझा की गई है।

हरियाणा में क्रिटिकल-केयर परिवहन सेवा हुई मजबूत

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि हरियाणा की हाल ही में खरीदी गई 70 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (एलएएस) एम्बुलेंस के नए बेड़े ने 1 अगस्त से 15 सितंबर के बीच 9,273 मरीज-कॉल अटेंड किए, जिससे राज्य में गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया एटवर्क मजबूत हुआ है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि एलएएस एम्बुलेंस को सभी 23 जिलों में तैनात किया गया है और इन्हें इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। हरियाणा के रेफरल ट्रांसपोर्ट बेड़े में वर्तमान में विभिन्न श्रेणियों की 562 चालू एम्बुलेंस शामिल हैं।

डॉ. मिश्रा ने कहा कि 70 नए एम्बुलेंस को जोड़ने का उद्देश्य गंभीर रूप से बीमार मरीजों का समय पर और सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करना तथा पूरे हरियाणा में अस्पताल-यूव आपातकालीन देखभाल को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि राज्य का एम्बुलेंस नेटवर्क हर दिन औसतन लगभग 4,500 मरीजों को ले जाता है, जबकि ईआरएसएस-112 के तहत औसत रिस्पांस टाइम 9 से 11 मिनट के बीच है। औसतन एक एम्बुलेंस रोजाना दो से तीन कॉल अटेंड करती है और लगभग 90 से 120 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

70 नए एम्बुलेंस की प्रदर्शन रिपोर्ट से पता चलता है कि उन्होंने 1 अगस्त से 15 सितंबर तक 46 दिनों की अवधि के दौरान 9,273 कॉल अटेंड कीं। जिला और एम्बुलेंस-वार प्रदर्शन विवरण के अनुसार, इनमें से 3,886 रेफरल मामले थे, जबकि 2,955 कॉल गर्भवती महिलाओं से संबंधित थीं। अन्य 572 मामले सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े थे, जबकि 1,860 को अन्य श्रेणियों के तहत वर्गीकृत किया गया था।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय और एसजेएचआईएफएम के बीच शोध एवं नीति अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए हुआ एमओयू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में बुधवार को 'हरियाणा की अपनी कर-राजस्व व्यवस्था' की मजबूती के लिए आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट (एसजेएचआईएफएम) तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के बीच एमओयू साईन किया गया। यह समझौता हरियाणा में अकादमिक शोध, नीति अध्ययन और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा।

एसजेएचआईएफएम की ओर से डॉ. राज नेहरू तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। एमओयू का मुख्य उद्देश्य एसजेएचआईएफएम को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के एक एकम्प्यूअल रिसर्च सेंटर के रूप में स्थापित करना है, जहां राजकोषीय प्रबंधन, सार्वजनिक नीति, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप बजट निर्धारण, डेटा आधारित सुशासन तथा अन्य संबद्ध अंतर्विषयक क्षेत्रों में डॉक्टरल शोध किया जा सकेगा। यह व्यवस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूसीओ) तथा विश्वविद्यालय के लागू नियमों के अधीन होगी।

इस सहयोग के तहत शोधार्थियों को एसजेएचआईएफएम में अपने मुख्य शोध कार्य करने का अवसर मिलेगा और साथ ही वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की अकादमिक विशेषज्ञता तथा शोध वातावरण का लाभ उठा सकेंगे। दोनों संस्थान आपसी हित के क्षेत्रों में संयुक्त शोध परियोजनाओं, नीति अध्ययनों, प्रकाशनों, वर्कशॉप पेपर्स, सम्मेलनों, सेमिनारों तथा अन्य अकादमिक एवं नीति-केंद्रित गतिविधियों को भी बढ़ावा देंगे। एमओयू के तहत पात्र एसजेएचआईएफएम शोधकर्ताओं एवं फैकल्टी सदस्यों को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की निर्धारित अकादमिक प्रक्रिया के माध्यम से पीएच.डी. पर्यवेक्षक के रूप में मान्यता दिए जाने पर भी विचार किया जा सकेगा। पंजीकृत शोधार्थी आवश्यक अनुमति एवं गोपनीयता संबंधी प्रावधानों के अधीन दोनों संस्थानों की संबंधित शोध सुविधाओं, डाटासेट्स और ज्ञान संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे। इस एमओयू के लिए एसजेएचआईएफएम के सलाहकार प्रो. आर.एस. राठौर ने समन्वय किया। उनके प्रयासों से दोनों संस्थाओं के बीच इस संस्थागत सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

पंचकूला के सुनियोजित विकास पर विशेष फोकस, शहर के बुनियादी ढांचे को मिलेगा नया विस्तार

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला के सुनियोजित, समग्र एवं आधुनिक विकास को नई गति देने के निर्देश देते हुए कहा कि शहर की मौजूदा आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक विकास योजनाओं को तेजी से अमलीजामा पहनाया जाए। उन्होंने पंचकूला में बेहतर नागरिक सुविधाओं, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, सुगम यातायात व्यवस्था, पर्याप्त एवं स्वच्छ पेयजल, आधुनिक आवासीय सुविधाओं, विकसित बाजारों, हरित क्षेत्रों, बेहतर पार्कों, खेल एवं मनोरंजन सुविधाओं तथा स्मार्ट सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था पर विशेष बल दिया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को चंडीगढ़ में पंचकूला में किए जा रहे विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, पंचकूला के मेयर श्री श्याम लाल बंसल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

● महिला मोर्चा की पहुंच हर चूल्हे और हर घर तक सुनिश्चित करें : डॉ. अर्चना गुप्ता

विभाग अपनी भूमि की पहचान कर अतिक्रमण से मुक्त करवाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय, एचएसवीपी, पीएमडीए, एचएसआईडीसी सहित सभी विभाग अपनी भूमि की पहचान कर अतिक्रमण से मुक्त करवाएं। इसके साथ ही अधिकारी यह भी सुनिनिश्चित करें कि उस भूमि पर दोबारा से अतिक्रमण न हो। उन्होंने कहा कि सेक्टर 7, 11 व 17 की रेहड़ी मार्केट में पालिका बाजार चण्डीगढ़ की त्त पर मार्केट विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाए। इसके अलावा माजरी चौक पर लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए उसे रिडिजाईन कर अण्डर पास बनाने का भी प्रपोजल बनाया जाए ताकि भविष्य में जाम की कोई समस्या न आए।

हरियाणा में पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश के खुलेंगे नए रास्ते, पीपीपी मॉडल पर विकसित होंगे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल: डॉ. अरविंद कुमार

‘एसोचैम स्वरा राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन’ में विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने रखा हरियाणा पर्यटन का रोडमैप

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार प्रदेश को देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने के लिए पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश के नए रास्ते खोलने जा रही है। इसके तहत प्रदेश के चुनिंदा पर्यटन स्थलों और परिसरों को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। निजी क्षेत्र की पूंजी, विशेषज्ञता, तकनीक और बेहतर प्रबंधन क्षमता को सरकारी प्रयासों के साथ जोड़कर पर्यटकों के लिए हरियाणा में आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी जिसमें प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।



यह बात हरियाणा के सहकारिता, कारागार, पर्यटन, विरासत एवं निर्वचन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित ‘एसोचैम स्वरा राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन’ में उपस्थितगण को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने सम्मेलन में

हरियाणा पर्यटन के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रदेश में पर्यटन को निवेश, रोजगार, नवाचार, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत से जोड़कर एक व्यापक विकास मॉडल के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। सम्मेलन में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद थे।

केबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार बन

रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार पर्यटन को निवेश और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ते हुए इसे प्रदेश के आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

आंगन मिलन सेवा के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़ रहे बच्चे और माताएं

चण्डीगढ़- हरियाणा महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और माताओं को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ना तथा पोषण, स्वास्थ्य एवं बच्चों के विकास के बारे में जागरूक करना है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ उनके प्रारंभिक विकास और शिक्षा पर भी ध्यान दिया जा रहा है। ‘आंगन मिलन सेवा’ के माध्यम से माताओं और समुदाय को इन गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला की आंगनबाड़ी केंद्रों में चरणबद्ध तरीके से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें पोषण, स्वास्थ्य, प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा तथा मातृ संवाद जैसी गतिविधियां शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अभियानकों एवं लाभार्थियों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ें और वहां आयोजित गतिविधियों में भाग लें तथा विभाग द्वारा दी जा रही योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उठाएं। प्रवक्ता ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों के लिए आयोजित की जा रही गतिविधियों से उन्हें काफी लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि आंगन मिलन सेवा के दौरान माताओं को बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिल रही है।

हरियाणा देश का पहला राज्य जहां न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं अधिकतम फसलें — खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर ने बुधवार को जिला यमुनानगर में सरस्वती नगर अनाज मंडी व जगधारी अनाज मंडी का निरीक्षण करते हुए कहा कि किसानों की धान की फसल को खरीद करने से पहले ही प्रदेश की सभी मंडियों में सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गईं ताकि किसान को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां किसानों की सबसे अधिक फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य

(एमएसपी) पर की जा रही है। उन्होंने अनाज मंडी में किसानों व आदृतियों से बातचीत कर धान की फसल के उठान, पैकेजिंग की उपलब्धता और अन्य समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पोर्टल व वेरिफिकेशन से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान कर दिया गया है।

श्री राजेश नागर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो और खरीद कार्य को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि धान की फसल खरीद से संबंधित विभागों के अधिकारी या कर्मचारी अपने कार्यों में लापरवाही



पेयजल सुलभ करवाने के लिए 100 एमएलडी बढ़ोतरी करने पर करें कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि खडक मंगोली के लोगों को 7500 फ्लैट बनाकर देने की प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू की जाएगी। पंचकूला के लोगों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल सुलभ करवाने के लिए भाखड़ा से आने वाले पानी की क्षमता में 100 एमएलटी बढ़ोतरी करने पर कार्य किया जाए। इसके अलावा कालका में भी पेयजल समस्या के स्थाई समाधान करने पर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि मोरनी क्षेत्र में बरसाती पानी को एकत्र करने के लिए डैम बनाया जाए, ताकि जलसंचय हो। इसके साथ ही कोशलया डैम की क्षमता बढ़ाने का कार्य किया जा

मजदूरों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान कर योजनाओं का लाभ पात्र श्रमिकों तक पहुंचाएगी सरकार : रणबीर गंगवा

नायब सिंह सैनी सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध, किसी पात्र मजदूर को योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। श्रमिक और मजदूर वर्ग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि पात्र मजदूरों को उनके लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मजदूर को सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहने

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने रोहतक में दी करीब 52 करोड़ रुपये की 26 परियोजनाओं की सौगात

चंडीगढ़- हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने आज रोहतक जिले में सिंचाई, जल निकासी और बाढ़ सुरक्षा से जुड़ी करीब 52 करोड़ रुपये की 26 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें करीब 32.33 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 19.65 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इनमें रोहतक क्षेत्र में करीब 17.35 करोड़ रुपये तथा महम क्षेत्र में करीब 34.64 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाएं हैं।

श्रीमती श्रुति चौधरी ने कहा कि

राज्य सरकार का विशेष ध्यान ऐसे क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने पर है, जहां बारिश के दौरान जलभराव और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि आज शुरू की गई परियोजनाओं से निचले क्षेत्रों से पानी की तेजी से निकासी होगी, गांवों एवं आबादी को जलभराव से राहत मिलेगी तथा नहरों और ड्रेनेज सिस्टम की कार्यक्षमता में सुधार होगा।

मंत्री ने गढ़ी सांपला-किलोई विधानसभा क्षेत्र में रोहतक जल संपर्क मंडल की करीब 5.02 करोड़ रुपये से अधिक की चार परियोजनाओं

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ऐतिहासिक वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जताया आभार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विपणन सीजन 2027-28 के लिए सभी अधिकृत रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में की गई वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) द्वारा लिया गया यह निर्णय देश और प्रदेश के किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा उन्हें उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपणन सीजन 2027-28 के लिए अधिकृत रबी फसलों के एमएसपी में की गई यह वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई उस ऐतिहासिक घोषणा के अनुरूप है, जिसके तहत एमएसपी को अखिल भारतीय भावित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना पर निर्धारित करने का संकल्प लिया गया था। उन्होंने बताया कि इस फैसले के तहत एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि कुसुम के लिए 675 रुपये प्रति किंवटल घोषित

की गई है, जबकि रेपसीड और सरसों के लिए 413 रुपये प्रति किंवटल की बढ़ोतरी हुई है। इसी प्रकार मसूर के लिए 390 रुपये प्रति किंवटल, जौ के लिए 136 रुपये प्रति किंवटल, चना के लिए 83 रुपये प्रति किंवटल और गेहूं के दाम में 25 रुपये प्रति किंवटल की वृद्धि की गई है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उत्पादन लागत पर मिलने वाला अपेक्षित मार्जिन किसान-कल्याण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उई एमएसपी दर के अनुसार किसानों को गेहूं पर अखि़क भारतीय भावित औसत उत्पादन लागत पर 106 प्रतिशत का शानदार मार्जिन मिलेगा, जबकि सरसों और रेपसीड पर 96 प्रतिशत, मसूर पर 92 प्रतिशत, चना पर 59 प्रतिशत, जौ पर 58 प्रतिशत और कुसुम पर 50 प्रतिशत का मार्जिन सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि हाल के वर्षों में केंद्र सरकार अनाज से निष्धारित करने का संकल्प लिया गया था। और उन्हें लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होगा, बल्कि इससे प्रदेश में फसल विविधीकरण को भी बढ़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

दिया जाएगा और मजदूरों से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

श्री गंगवा ने यह बात हरियाणा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (HBOCWWB) के संयुक्त सचिव श्री अजमेर सिंह, हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन श्री रोहताश जांगड़ा तथा भवन एवं अन्य निर्माण कामगार यूनियन के एआईसीसीटीयू से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कही। बैठक सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में हुई, जिसमें निर्माण एवं मनरेगा मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार का प्रयास है कि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्ति तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे। श्रमिकों के हित में

सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित का जा रही हैं और इन योजनाओं के माध्यम से पात्र श्रमिकों एवं उनके परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

बैठक में मजदूर प्रतिनिधियों ने निर्माण मजदूरों के पंजीकरण, लंबित लाभों, श्रम कल्याण बोर्ड के पोर्टल, 90 दिन की वेरिफिकेशन प्रक्रिया, प्रवासी मजदूरों के पंजीकरण तथा मजदूरों से जुड़े विभिन्न मुद्दों मंत्री के समक्ष रखे। प्रतिनिधियों ने मजदूरों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सरकार के स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि सरकार मजदूरों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है।



का लोकार्पण किया। इनमें जसिया में सरकारी कॉलेज से काहनी लिंक ड्रेन तक आरसीसी टूफ, आसन में जलभराव की निकासी के लिए भूमिगत आरसीसी पाइपलाइन एवं पंग हाउस

तथा लाढ़ौत और कंसाला में जल निकासी पाइपलाइन के कार्य शामिल हैं।

उन्होंने रोहतक वाटर सर्विसेज मैकेनिकल डिवीजन के तहत करीब 3.12 करोड़ रुपये के चार पंपिंग कार्यों का भी उद्घाटन किया। इन कार्यों के माध्यम से पाकस्मा, सांपला-चुलियाना, भालौट तथा

खरावड़ क्षेत्र में पंप, मोटर और पैनल संबंधी कार्यों को मजबूत किया गया है। श्रीमती श्रुति चौधरी ने करीब 4.60 करोड़ रुपये की दो नहरी परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।

किसानों को गेहूं के उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध करवाए जाएंगे : श्याम सिंह राणा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में आज 'हाई पॉवर परेजेज कमेटी' की महत्वपूर्ण बैठक हुई।

इस बैठक में शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भी ऑनलाइन माध्यम से विशेष रूप से जुड़े।

बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी रबी सीजन के दौरान किसानों को गेहूं के उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज समय पर उपलब्ध कराना और राज्य के सरकारी विद्यालयों में कृषि विज्ञान व प्रज्ञा स्वात्र्थ्य से जुड़ी प्रयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना था। आगामी गेहूं के बुआई सीजन को ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज बिना किसी देरी के उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में समिति की बैठक के दौरान हरियाणा बीज विकास निगम के प्रमुख बीज प्रसंकरण केंद्रों—हिसार, टोहाना, पटौदी, यमुनानगर, सिरसा और उमरी (कुरुक्षेत्र)—से राज्य के विभिन्न जिलों और ब्लॉक स्तर के 80 से अधिक वितरण केंद्रों तक प्रमाणित गेहूं बीज पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्टरों की माल भाड़ा दरों को अंतिम रूप देकर स्वीकृत कर दिया गया।



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि किसान हमारी आन, बान, शान, मान और सम्मान है और हम इन्हें कोई दिक्कत नहीं आने देंगे। मंडी में ज़ीरी की फसल लेकर आए किसानों को कोई दिक्कत न आए प्रशासन यह सुनिश्चित करे। उन्होंने अम्बाला छावनी में मंडी में पड़ी ज़ीरी की नमी को जांचा 17 प्रतिशत से कम नमी वाली ज़ीरी की खरीद कर उसका उठान तुरंत करने के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितनी भी ज़ीरी आएगी हम त्वरित कार्रवाई कर उठान करेंगे ताकि मंडी में जगह भी खाली होती रहे और नये जो किसान आएंगे उनको अपना अनाज डालने की जगह मिले।

श्री विज आज अम्बाला छावनी में ज़ीटी रोड



पर नई अनाज मंडी में ज़ीरी खरीद कार्य और किसानों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उपरांत आयोजित कार्यक्रम में किसानों, आदृतियों व उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे

थे। इस दौरान इस दौरान डीसी अम्बाला सचिन गुप्ता, एसडीएम कनिका गोयल, मार्केट कमेटी चेयरमैन बलविंद सिंह, वरुण चेयरमैन सुरेंद्र बिंद्रा, नप अध्यक्ष स्वर्ण कौर व अन्य मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ अंबाला छावनी की अनाज मंडी का दौरा किया और ज़ीरी की फसल के खरीद के सारे इंतजामों की पुख्ता जानकारी ली। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री अनिल विज ने कहा की ज़ीरी की फसल की खरीद बोते रोज ही शुरू हो चुकी है। मंडी में फसल सुखाना जा रही है और 17 प्रतिशत से नीचे नमी वाली फसल को हम खरीद रहे हैं, उन्होंने खुद कुछ ज़ीरी की ढेरियों पर जाकर नमी को चेक किया है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी की अनाज मंडी उन्होंने नई बनाकर दी है, इसमें किसानों की हर सुविधा का ध्यान रखा है और इसीलिए यहाँ पर किसानों के लिए एक कार्यालय, उनके योने के लिए एक बेहतरीन रेस्ट हाउस, उनके खाने-पीने के लिए कैटैनी भी खोली गई है, कैटैन पहले दोपहर तक चलती थी मगर अब रात

को भी खाना देने के की सुविधा है ताकि जो किसान अपनी फसल लेकर मंडी में आए उन्हें रात का खाना भी मिल सके। उन्होंने कहा कि मेरे साथ डीसी अम्बाला भी है जिन्हें कहा गया है कि मंडी में आने वाली फसल का तुरंत उठान हो ताकि आगे आने वाली फसल को रखने की जगह मिल सके। वहीं, मंडी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में किसानों, आदृतियों व अन्य को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि मेरा जन्म इसी शहर में हुआ है। शहर को मैंने सँसलेते देखा है, यह शहर 1835-36 में अंग्रेजो ने बसाया था और यहाँ पर राश्ट्र प्रभर के कार्यभार को निरान मंडी अस्थान बनाए गए थे परंतु मंडी के लिए कोई स्थान नहीं था, मात्र अम्बाला छावनी का एक छोटा सा चौक था जहाँ न तो वहाँ पर ट्राकी जाती थी और न ही फसलों को सुखाने के लिए कोई जगह थी और न फसलों को खरीदने-बेचने के लिए कोई उचित तरीका था।